तर्ज : हे खाटूवाले श्याम...

मन के मंदिर को श्याम, आकर के सजा जाओ
मंदिर का सूनापन, प्रभु आके मिटा जाओ

केशरिया बागा हो, गल मोतियन माला हो
माथे पर मुकुट सजा, मणि का उजियाला हो
घुंघराली लटों की श्याम, जरा लटक दिखा जाओ
मंदिर का सूनापन.......

कजरारे नयन प्यारे, बांकी चितवन प्यारी
अधरो पे धरी बंसी, जो करती मतवारी
बंसी के मधुर स्वर से, कोई तान सुना जाओ
मंदिर का सूनापन.......

तेरी शान निराली है, तेरा रूप निराला है
तेरे प्रेम में मैं पागल हुआ मन मतवाला है
'नन्दू' मतवाले श्याम, मुझे अपना बना जाओ
मंदिर का सूनापन.......

मन में उमंग लेकर होटों पे तराना
नाचे दरबार में–२ दीवाना,श्याम का दीवाना
लेके होठों पे तराना....

डीकत डीकत आंख्या थाकी, जद यो शुभ दिन आयो है
अहमदाबाद की नगरी में, बाबो दरबार लगायो है
आओ–आओ साथीड़ो देवो नजराना–
श्याम न नजराना–**लेके होठों पे**.........॥ १॥

गजानन, गुरूदेव, भवानी भोले नाथ पधार्‌या है,
स्वागत में बजरंगी उब्या, लाम्बी धोक लगार्‌या है,
राधा–राधा रूकमण संग नाचै हनुमाना
नाचै हनुमाना–**लेके होठों पे**..........॥ २॥

चूड़ीदार पैजामो पहर्‌यो, चोलो पहर्‌यो मलमल को
भांत भांत का ओढ दुपट्टा जमघट माच्यो भगतां को
सगला श्याम रिझावण बणगा परवाना–
बणगा परवाना–**लेके होठों**.............॥ ३॥

लखदातार कुहावै बाबो, लख लख सैंकी झोली भरे
दीन दुखी को श्याम सहारो, दुखियां की झट पीड़ हरै
'नन्दू' बीड़द श्याम को जगजाना–
श्याम को जगजाना–**लेके होठों**.........॥ ४॥

तर्ज : नखरालो देवरियो.....

मन मोर मचावै शोर, श्याम घर आयो है।
आयो है घर आयो है,
म्हारै आनन्द को नहीं छोर–श्याम घर आयो है।

खाटू सै श्रीश्याम धणी भगतां सूँ मिलबा आया,
लाग रह्‌यो दरबार श्याम को, अरजी सुणबा आया,
म्हारी बात पै करल्यो गौर, **श्याम घर आयो है**.... (१)

चुन–चुन कर चारूँ कानी सै, प्रेम्यां न बुलवाया,
रकम–रकम की सौंप चाकरी, जीवन धन्य बणाया,
सेवा में सभी विभोर–**श्याम घर आयो है**.....(२)

झूठी माया, झूठी काया, झूठी जग की यारी,
सै सूँ सांचो नाम श्याम को, सांचो लखदातारी,
सतसंग बड़ो अनमोल–**श्याम घर आयो है**.....(३)

जिसके मुख पर नाम श्याम को, हिवड़ श्याम बिराजै,
'नन्दू' वो ही बड़भागी जो, प्रभु नै प्यारो लागै,
प्रभु को पावन गठजोड़–**श्याम घर आयो है**...(४)

मन में चाव अति उमगायो रे
जास्यां खाटू धाम श्याम को हेलौ आयो रे
मन में चाव अति उमगायो रे

संकट कटज्या जनम सुधरज्या, श्याम का दरशन पांवा
मोह माया पहरै पर उबी, चक्कर मं नहीं आंवा
ठगणी को मोटो पायो रे.... **जास्यां खाटू धाम.....**

केशर रंग अबीर मचैगी श्याम कै मंदिर मांही
स्वर्ग सै सुंदर बणै निजारो जैं को वर्णन नांही
देवां को मन ललचायो रे..... **जास्यां खाटू धाम**

घुघरियां की रूणक झुणक मं भगत श्याम गुण गावै
भगतां रो यो प्रेम देखकर, बाबा फूल्यो जावै
यो मंद मंद मुस्काव रे..... **जास्यां खाटू धाम**

भरले झोली मन चाही तूं किण बाता शरमावै
सोर सकै सो सोर सांवरो दोन्यू हाथ लुटावै
'नन्दू' तो माल कुमायो रे..... **जास्यां खाटू धाम**

मनभावन श्रृंगार सजा है बाबा का
अलबेला दरबार लगा है बाबा का

केशरिया बागा प्यारा, भांति–भांति के गजरे हैं
हीरे पन्ने जड़े हुए, गल वैजन्ती निखरें है
चमक रहा है रूप निराला बाबा का
अलबेला दरबार लगा.....

केशर कस्तूरी हीना, चम्पा चमेली अत्तर धरें
रूह गुलाब का क्या कहना, दिग दिगन्त ही महक उठे
गमक रहा संसार सलौने बाबा का
अलबेला दरबार लगा.....

माखन मिश्री मेवा ले, छप्पन भोग लगाया है
हर वस्तु को भगतों ने, निज ही आज बनाया है
छलक रहा है प्रेम सजीले बाबा का
अलबेला दरबार लगा.....

रूप माधुरी रस प्याला, हमको आज पिला देना
रम जाएं हम सब तुझमें, ऐसी प्रीत जगा देना
'नन्दू गाए भजन रसीले बाबा का
अलबेला दरबार लगा....

तर्ज : चांदी जैसा रंग है

दोहा : जाण भयो अनजान मैं, तड़पै मेरो मन
भेद मिटा धीरज बंधा, शीतल कर यो मन

☆ ☆ ☆

मनमोहन घनश्याम सांवरा, गोविन्दा गोपाल
दीन करैं अरदास, हमारी पत राखो नन्दलाल

फूरसत का पल दो पल बाबा, मेरे लिए निकालो
अटक्या सारा काम कन्हैया, कुछ तो आज विचारो
मायत हो थे मायत बनकर बिगड़ी मेरी सुधारो
आंख्या का ऑसूड़ा बहकर, कह रह्या सारा हाल
दीन करैं ....
जद सूँ थासूँ नेण लड़्या म्हें, सुध सगली बिसराई
दीन और दुनियाँ की बाबा, सगली रीत भुलाई
म्हारै सूँ या जीवन गाड़ी, चलैना श्याम चलाई
थारै सूं के पड़दो करणो, माधव दीन दयाल
दीन करैं ....
मेरे सिर पर हाथ फेर कर उलझन मेरी मिटाओ
मैं तो कोशिश करकर हार्यो, थे ही राह दिखओ
मैं तो थार प्रेम मॅ पागल मत ना लोग हँसाओ
'नन्दू' दीनानाथ दीन का, थे ही हो प्रतिपाल
दीन करैं ......

तर्ज : लूट लो नसीबों वालो......

मनमोहन घनश्याम सांवरा किसका है
किसका है बोलो किसका है
जो भी करले प्रेम, श्याम तो उसका है

ना ये तेरा ना ये मेरा, कोई डाल सका ना घेरा
निराकार साकार **श्याम घट घट का है...**

प्रेम का रसिया श्याम हमारा, बिना प्रेमी इसे कहाँ गुजारा
बंधे प्रेम की डोर, **श्याम प्रेमी का है......**

भामा को अभिमान ने घेरा, कहने लगी बस श्याम है मेरा
चली तौलने श्याम, **खजाना हल्का है.....**

रूकमणी थी मोहन की दीवानी, प्रेम की पूंजी प्रेम की वाणी
प्रेम ही दूजा नाम, **मेरे गिरधर का है.......**

श्याम करो मुझसे याराना, बोला पहले बनो दीवाना
दीवानों के पास, **ही मेरा डेरा है.......**

धन दौलत से ये नहीं मिलता, मोहन तो बस प्रेम का भूखा
'नन्दू' करले प्रेम, **प्रेम में मिलता है......**

तर्ज : बाई सा रा बीरा

मन मोहन प्यारा, दरशन दीज्यो जी
मांगा तो के मांगा, म्हें थांसू गिरधारी

दरशन सै म्हारा पाप कटैगा जी–२
भवसागर तिर लेस्यां सांवरिया गिरधारी॥ १॥

हीवड़ मं म्हारै भक्ति भर दीज्यों जी–२
गुणगान करां थारो सांवरिया गिरधारी॥ २॥

भजनां मं थारै ऐसो नचाबो जी–२
म्हें मगन होय नांचा सुध बुध भूलां सारी॥ ३॥

रंग श्याम सलुणो मनड़ै नै भायो जी–२
सांवरिया रंग द्यो ना, मैली चादर म्हारी॥ ४॥

'नन्दू' भगतां संग श्याम रिझांवा जी–२
करुणा तो कर दीज्यो–बरसै कृपा थारी॥ ५॥

श्री श्याम भजन

माया के संसार में भटके, हम प्राणी लाचार,
बताओ कैसे हो उद्धार,
राधे-राधे राधेश्याम, जानकी वल्लभ सीताराम।

जब से जनम लिया है हमने,
रोज देखते नित नए सपने,
सपनों के पीछ हर प्राणी, दौड़-दौड़ गया हार।
बताओ कैसे ....

भाई-बंधु, कुटुम्ब-कबीला,
दिल को भाए जग का मेला,
सुख के भरम में हम दुख तोले, सहा न जाए भार।
बताओ कैसे ....

भरम बादली घिरती जावे,
दुख से हमको तूं ही बचावे,
'नन्दू' नारायण जगदीश्वर, रचे खेल हर बार।
बताओ कैसे ....

श्री श्याम भजन

तर्ज : चाहूँगा मैं तुझे...

मांगो तो श्री श्याम से मांगो, दुनियां से आशाएं त्यागो।
दुनियां तो कुछ न देगी, देगी तो लाज लेगी॥

जैसे चले, दिन और रैन,
वैसे चले, दुख और चैन,
रोक लो–२ आसुओ को, दुनियां तो देख लेगी
देगी तो लाज लेगी.....मांगो.....

दुनियां से डरना क्या,
दुनियां से लड़ना क्या,
चुप रहो–२ कुछ न बोलो, बोले हंसी उड़ेगी
देगी तो लाज लेगी.....मांगो.....

मात पिता, बन्धू सखा,
श्याम निभाता हर रिश्ता,
'नन्दू'–२ सांवरे से– यारी तेरी निभेगी
देगी तो लाज लेगी.....मांगो.....

श्री श्याम भजन

तर्ज : ये हल्का हल्का...

मुझे आके सम्हालो सांवरिया, मुझे एक सहारा तेरा है
मुझे आके सम्हालो सांवरिया,

उपदेश से पेट नहीं भरता, बिन पानी फूल नहीं खिलता
बदरी बन रिमझिम बरस पड़ो, प्रभू सूख रहा मन मेरा है॥
मुझे आके सम्हालो.......

क्या अजब तुम्हारी माया है, माया में मन उलझाया है
कर दूर अंधेरा सांवरिया, देखो तड़प रहा मन मेरा है॥
मुझे आके सम्हालो.......

संसार तुम्हारे हाथों में, हम है संसार के हाथों में
मैं निर्बल जोर नहीं मुझमें, बिन तेरे बहुत झमेला है
मुझे आके सम्हालो.......

ये जीवन तेरे नाम किया, तुमने भी सदा ही साथ दिया
मत देर लगाओ आ जाओ, **'नन्दू'** प्रभु दास अकेला है
मुझे एक सहारा........

श्री श्याम भजन

तर्ज : ये मेरा प्रेम पत्र...

मुझे ओ सांवरे अपने, भजन गुणगान को दे दो
मैं गांउगा, रिझांउगा, सुनाऊँगा सराहुंगा

तुम्हीं तो ज्ञान मेरे हो, तुम्हीं विज्ञान मेरे हो
तुम्हीं से सीखना मुझको, तुम्हीं भगवान मेरे हो
तुम्हीं को जानता हूँ मैं, मेरा तो तूँ अधार है
तू अधार है, तू अधार है....... मुझे........

कोई सरगम नहीं आता, कोई तरनम नहीं आता
लिखूँ महिमा रसीली क्या, कोई भी छन्द नहीं आता
मेरे अरमानों का मोहन, तूँ ही तो श्रजनहार है
श्रजनहार है, श्रजनहार है..... मुझे..........

दिखादे अपनी लीला को, मिटादे दिल की पीड़ा को
चढ़े रंग रूप का जादू, सुनादे अपनी वीणा को
तूँ है सब में, सभी तुझमें, सबों में तेरा वास है
तेरा वास है, तेरा वास है....... मुझे.......

ग्रन्थ गुरू वेद और गीता, प्रभु तुमने रचाए हैं
शब्द स्वर ताल की गरिमा, प्रभु तुममें समाए हैं
'नन्दू' ज्यादा मैं क्या बोलूँ, कि मेरा तुमसे प्यार है
तुमसे प्यार है, तुमसे प्यार है....... मुझे.....

तर्ज : मुझे मिल गया बहाना...

मुझे एक सहारा श्री श्याम का,
रोम रोम लेता है नाम श्याम का... मुझे एक...॥

एक एक पल की खबर है उसको,
इतनी चिंता मेरी किसको– मेरी किसको,
वो जो करे ठीक करे– ठीक करे वो जो करे,
मुझको पता नहीं ज्ञान का....॥ **मुझे एक....**॥1॥

जैसे रखता वैसे रहता,
चाहे जमाना मुझ पर हँसता– मुझ पर हँसता,
वो जो कहे वो ही करुँ– वो ही करुँ वो जो कहे,
मैं तो दीवाना घनश्याम का..॥ **मुझे एक...**॥2॥

जिस दिन उसकी मरजी होगी,
मंजिल अपने आप मिलेगी – आप मिलेगी,
मस्त रहूँ ध्यान धरुँ – ध्यान धरूँ मस्त रहूँ,
'नन्दू' इशारा यही श्याम का ..॥ **मुझे एक...**॥3॥

दोहा–इधर भी ठाकुर, उधर भी ठाकुर, ठाकुर ही सब खेल रचावे।
ठाकुर की ठकुराई बढ़े जब, ठाकुर जीव को पार लगावे॥

❂❂❂

मुझे कभी न भुलाना, प्रभु याद मुझे आना।
ओ खाटू वाले श्याम, बनूँ मैं तेरा दीवाना॥

तेरी माया तूँ ही जाने,
खेल तुम्हारे हम क्या जाने,
मुझे पथ दिखलाना, प्रभु ना भटकाना,
ओ खाटू वाले श्याम... ...

दुनियां तेरी तूं ही चलावे,
मझधारों से तूँ ही बचावे,
मुझे पार लगाना, प्रभु हाथ बढ़ाना।
ओ खाटू वाले श्याम... ...

जब तक श्वांस रहे घट मांही,
'नन्दू' भूलूं नहीं कन्हाई,
ऐसी राह चलाना, मुझे अपना बनाना,
ओ खाटू वाले श्याम... ...

तर्ज : मेरे टूटू हुए दिल से.....

मुझे श्री श्याम प्यारे का फकत दीदार करना है
यही अरमान है मेरा – यही अरमान है मेरा

यादों ने इसकी बेसुध बनाया
रिश्ते नाते सब बिसराया
दाव पे मैंने खुद को लगाया
मैं जाऊं, तो कहां जाऊं,
इन्ही चरणों में रहना है **– यही अरमान...**

कब तक कन्हैया ना आऐंगे
देखे कब तक तरसाऐंगे
एक दिन दया तो बरसाऐंगे
मैं गाऊँगा, रिझाऊँगा,
इन्हीं का नाम भजना है – **यही अरमान...**

देव दयालू दीनों के साथी
सांवरिया घट घट के वासी
मेटेंगे एक रोज उदासी
'नन्दू' श्रीश्याम की धुन में,
विचरना है संवरना है – **यही अरमान...**

मुझे सांवरा सजनवां – प्यारा लागे
प्यारा लागे श्याम प्यारा लागे–2 मुझे सांवरा

दोहाः श्यामल श्याम सरूप ने, मनवा किया विभोर
अब तो इतनी चाह है, बसे नैणां नन्द किशोर
गैयों का चरनवां प्यारा लागे

दोहाः बंशी बाजी श्याम की, गुंजी ब्रज कै मांय
ऐसो रस बरस्यो नहीं, कहीं तीन लोक के मांय
मूरली का बजनवां प्यारा लागे

दोहाः मटकी माखन सूं भरी, रही छींक लटकाय
ना जानें कब आय के, मेरो माखन लियो चुराय
माखन का चुरनवां प्यारा लागे

दोहाः गोप गोपियां ब्रज के वासी, कुंजन ओर निहारे
डाल डाल और पात पात सब, राधेश्याम पुकारे
महारास का रचनवां प्यारा लागे
गिरिराज का घरनवां प्यारा लागे
सारे ब्रज का बचनवां प्यारा लागे
राधे को बलमवां प्यारा लागे
'नन्दू' प्रीत का निभनवां प्यारा लागे

तर्ज : श्याम दरसन जरा....

मुझको दीदार क्यूं नहीं होता
मेरा एतबार क्यूं नहीं होता

आपका दर मेरा ठीकाना है–2
तेरा दर गैर सा नहीं लगता... **मेरा एतबार....**

आपका प्यार मेरी दौलत है–2
प्यार ऐसा कही नहीं मिलता.. **मेरा एतबार......**

मुझसे एक बार सांवरे मिलले–2
बावरा मुझसा भी नहीं मिलता.. **मेरा एतबार......**

'नन्दू' भक्तों ने महिमा गाई है–2
पड़दा रूख से, यूंही नहीं हटता .. **मेरा एतबार......**

मुरली मनोहर नन्दलाल, नटवर नागर गोपाला।
श्याम सहायक तुम सबके, तूँ ही सबका रखवाला॥

श्री कृष्ण गोविन्द हरे मुरारी,
तुमसे ही रौशन है, ये दुनियां सारी।
फेरूँ सदा तेरी माला, **नटवर नागर... ...**

हे नाथ नारायण वासुदेवा,
चरणों की दे दो हमें श्याम सेवा।
कर दें हमको मतवाला। **नटवर नागर... ...**

जन्मों का रिश्ता बनाले कन्हैया,
इस नाव का तो, तू ही खेवैया।
'नन्दू' हदय का उजियाला। **नटवर नागर... ...**

तर्ज : तेरा जाना बनके तकदीरो....

मेरा कान्हाँ, भोले भक्तों का है दीवाना।
कोई देखे, सांवरिये का बनके दीवाना॥

इकतारा ले हाथ में, नरसी पहुँचा भात में,
कौन था उसके साथ में, आकर काम बना गया,
घर घर धन बरसा गया, भक्त का मान बढा गया
॥ मेरा कान्हाँ॥

सांवरिये के नाम पर, राज पाट सब त्याग कर,
पांव में घुघरु बांधकर, मीरा बाई चल पडी,
राणा की कुछ ना चली, प्रभु ने ही रक्षा करी
॥ मेरा कान्हाँ॥

गज गणिका अजमिल तरे, चीर द्रोपदी का बढे,
रक्षक भक्तों के खड़े, पल में लाज बचाते हैं,
भक्तों को अपनाते हैं, जी भर प्रेम लुटाते हैं
॥ मेरा कान्हाँ॥

भक्तों की क्या बात है, नारायण जब साथ हैं,
संग सारी सौगात है, **'नन्दू'** भज श्री माधवम्,
मिट जाए सारे भरम, रहे याद इनके करम
॥ मेरा कान्हाँ॥

तर्ज : घूँघरू टूट गए...

मेरा कोई नहीं सरकार,
सुणोना मेरी करुण पुकार, सांवरे महर करो...

मैं अज्ञानी हूँ मुझमें,
और ज्ञान भर्या है तुझमें,
मेरी सारी भूल सुधार,
करो ना मेरा भी उद्धार, **साँवरे महर करो...**

क्या पड़दा करूँ मैं तुमसे,
अनजान नहीं तु हमसे,
अज्ञान से मुझको तार,
कन्हैया मेरी ओर निहार, **साँवरे महर करो...**

'नन्दू' मैं खुद से हारा,
मैंने पकड़ा तेरा द्वारा
मुझे जाना सागर पार,
जहाँ तू करता सदा विहार, **साँवरे महर करो...**

मेरा बाबा खाटूवाला, प्रेम लुटाता है।
जो सांचे मन से ध्यावे, वो सब कुछ पाता है॥

गर दिल में विश्वास नहीं तो, मूरत केवल मूरत है,
गर दिल में विश्वास भरा तो, मूरत में ही मूरत है,
जो प्रेमभाव से निरखे, वो दर्शन पाता है।
मेरा बाबा खाटू वाला.......

खाटू वाला सेठ साँवरा, सबकी न्याय चुकाता है,
छोटा मोटा देव नहीं ये, जग का भाग्य विधाता है,
कर शीशदान वर पाकर, ये श्याम कुहाता है।
मेरा बाबा खाटू वाला.......

'नन्दू' अब दीवाना होकर, श्याम प्रभु का गुण गा ले,
मत कर देर श्याम का बनकर, सांवरिये को तूं पाले,
सांवरिया ही भगतों का, हर काम पटाता है।
मेरा बाबा खाटू वाला......

तर्ज : मेरे टूटे हुए दिल से...

मेरे घनश्याम खाते में, मेरा भी नाम लिख लेना,
यही अरदास है मेरी–2

तूँ जैसा चाहे, वैसा नही मैं
भक्तों के तेरे, जैसा नहीं मैं
कैसा हूँ मैं और कैसा नहीं मैं
शरण में आ गया तेरी, मेरे सब दोष हर लेना।
यही अरदास है मेरी........2

जग में कही जब, ठौर न पाया
भटक–भटक कर तुझ तक आया
तुझसे ही क्या, खुद से शरमाया
मेरे अंधियारे जीवन से, अंधेरे को मिटा देना।
यही अरदास है मेरी........2

तुझसा दयालू तुझसा दानी
तेरी कहानी सबकी जुबानी
चरणों में चाहूँ उम्र बितानी
'नन्दू' दिल की समझ बाबा, जगह चरणों में दे देना।
यही अरदास है मेरी........2

तर्ज : मुझे प्यार की.....

मेरा सांवरा, प्रेम करता सभी से।
सभी कर्म समझे, सभी लेख देखे, वाकिफ सभी से॥

जुबां से न बोले, मगर सबको तोले,
राज किसी का किसी पे न खोले,
जैसा जो करता, वैसा वो भरता, सुना है गुणी से..
मेरा सांवरा......

अहम ना सुहाए, भरम ये मिटाए,
भगतों पे अपनी दया बरसाए,
दिलदार ऐसा, करतार ऐसा, देखा कही पे.....
मेरा सांवरा......

'नन्दू' समझ ले, बदी से निकल ले,
प्रेम के पथ पर गुजरले विचरले,
हर पल रिझाना, कभी ना भूलाना, बाबा को दिल से.
मेरा सांवरा......

तर्ज : जैसलमेरी....

मेरे सांवरिया से लड़ गए नैण
दीवाना मैं तो हो गया
दीवाना मैं तो हो गया–मस्ताना मैं तो हो गया

लोग कहे यो रोग प्रेम को छूटै नहीं छुटायो
पर मेरे यो रोग भा गयो, पल पल चाहूँ बढायो,
मेरे सांवरिया......

कोई कहे मैं बावरो, कोई कहे मैं मूढ़
कुण समझै मैं क्यूँ कहूं, निश्छल प्रीत रो गूढ़,
मेरे सांवरिया.......

ऐसो आनन्द पायो भूल्यो, मैं तो सुधबुध सारी
मस्त बण्यो ई जग मं डोलूं–श्याम करे रखवारी
मेरे सांवरिया......

पूछ रह्या सै लोग, दीवानैपन मं काई धर्यो है
'नन्दू' बणकै देख दीवानो ई मं कांई मजो है,
मेरे सांवरिया.......

मेरे दिल को अगर भगवन तुम्हारा प्यार मिल जाए
मेरी विरान राहों का गलिस्तां यार खिल जाए

जो दिल की दास्तां समझे, उसे दिलदार कहते हैं
यही मेरी तमन्ना है, मुझे दिलदार मिल जाए
मेरी विरान राहों.......
जो बदलें में न कुछ चाहे, उसे तो प्यार कहते हैं
मुझे बेगानी बस्ती में, कहीं कोई यार मिल जाए
मेरी विरान राहों......
किसे अपना कहूं या रब, किसे बैगानां मैं बोलूं
'नन्दू' इतना ही काफी है,तीर नयनों के चल जाए
मेरी विरान राहों.....

तर्ज : श्याम ऐसी कृपा.....

मेरे दिल में वो सूरत समाई
देखता मैं रहूँ–2 मुझपे मस्ती अनोखी हैं छाई

नाम मेरा पुकारा किसी ने
मैं तो बढ़ता गया–2 उसकी आवाज ना रोक पाई ॥
कोई समझे अकेला ना मुझको
मैं अकेला नहीं–2 साथ मेरे हैं श्याम कन्हाई ॥
मेरे जजबात मेरा कन्हैया
जानकर यूँ कहे–2 बोल दे दूँ क्या तुझको खुदाई ॥
मैंने झट से कहा मेरे स्वामी
बांह पकड़े रहो–2 'नन्दू' छूटे कभी ना कलाई ॥

मेरे हाथ नहीं पतवार कन्हैया कैसे जाऊं पार
मेरा तुझ पर दारमदार–२ कैसे जाऊं पार

छाया अंधियारा मुझे सूझे ना किनारा
किसको पुकारूँ कौन बनेगा सहारा
मैं तो बैठा हिम्मत हार–२ **कन्हैया कैसे जाऊं पार...**(१)

जोह रहे बाट मेरी, घर के कन्हैया
और मैं बाट जोऊँ तेरी कन्हैया
मेरी सुन ले करूण पुकार–२ **कन्हैया कैसे जाऊँ पार.**(२)

धीरज छूटी मेरे नैण भर आए
ऐसे तो नहीं थे फिर देर क्यूँ लगाए
मेरी भूल क्षमा कर यार–२ **कन्हैया कैसे जाऊँ पार..**(३)

जाए लाज मेरी, पर तेरी नहीं जाए
ऐसा ना हो सारे हांसी उड़ाए
'नन्दू' सांचा अपना प्यार–२ **कन्हैया कैसे जाऊं पार.**(४)

तर्जः न मुंह छुपा के जियो....

मेरे हुजुर मुझे बेहिसाब प्यार करो।
गरीब दिल का कन्हैया, जरा ख्याल करो॥

तुम्हारे प्यार का प्यासा ये दिल हमारा है
मेरी टूटी हुई नैया का, तू किनारा है
मुरीद मैं तेरा, मुझपे दया निसार करो–**मेरे हुजुर......**

हजारो दोष हैं जिनका कोई हिसाब नहीं
बिखरता पन्ना हूं, मै तो कोई किताब नहीं
मुझे समेट कर, भगवन मेरा उद्धार करो–**मेरे हुजुर....**

मेरे हबीब क्या तुमने भी रिश्ता तोड़ लिया
दहकती आग में, नन्दू अकेला छोड़ दिया
तुम अपने प्यार की, मुझपे प्रभु फुहार करो–**मेरे हुजुर....**

तर्ज : गोरे बदन पर....

मेरे सर पर सदा रहेगा।
श्याम तुम्हारा साया—ये विश्वास मुझे है॥

ओ श्याम खाटू वाले, घनश्याम मुरली वाले,
हमने तो अपनी नैया, कर दी तेरे हवाले,
पार लगेगी, डूबेगी ना, तुझसा मांझी पाया।
ये विश्वास...

तुफान उठ रहा है, कश्ती को डस रहा है,
कानों में मेरे मोहन, एक शोर मच रहा है,
मैं तो नचीता निर्भय रहता, तुझसा साथी पाया।
ये विश्वास...

किस खौफ से डरूँ मैं, किस बात से डरूँ मैं,
तूं है मेरा निगेहवां, अलमस्त सा फिरूँ मैं,
'नन्दू' तुझको पाकर मोहन, रोम–रोम हरषाया।
ये विश्वास...

मेरे श्याम के दर पर आठों घड़ी, मस्ती का दरिया बहता है
मस्ती का दरिया बहता है, मस्ती का दरिया बहता है
रंग क्यूं ना छलकें मस्ती के, मस्ती में कन्हैया रहता है

नैना प्रभु के है मतवाले, अधरों पे छलकता रस प्याला
हाथों में लिए मुरली प्यारी, दिन रात बजाया करता है
मेरे श्याम के ....

तुम डुबकी लगा लेना बंदे, मस्ती तुझ पर छा जाएगी
वो मस्त बना घूमें जग में, जो डुबकी लगाया करता है
मेरे श्याम के ....

हम धन्य हुए, दर पे आये, प्रभु का दरशन गुणगान मिला
प्रभु के दरशन को देवों का, मन भी ललचाया करता है
मेरे श्याम के ....

तुम नाज करो, खुद पर बंदे, प्रभु किरपा का वरदान मिला
सम्मान करो इस किरपा का, बड़ भागी पाया करता है
मेरे श्याम के ....

हर वक्त लुटाता रहता है, प्रभु अपनी दया की दौलत को
तूँ भर ले झोली मनचाही, मूरख शरमाया करता है
मेरे श्याम के ....

दिल में आया सो बतलाया, प्रभु ने जो मुझे संदेश दिया
'नन्दू' समझे पर दिल वाला, दिलवर बतलाया करता है
मेरे श्याम के ....

तर्ज : उड़े जब जब...

दोहा : रंगीले घनश्याम को, बरसै रंग अपार।
छीटा जैं कै लागगा, वो हो गयो भव सूँ पार॥

❁ ❁ ❁

मेरा श्याम बड़ा रंगीला—२
मस्ती बरसेगी—२ कीर्तन में

कोई श्याम को रिझाकर देखे—2
उमरिया सुधारेगी—२ **कीर्तन में**॥

कोई श्याम को सजाकर देखे—2
खुशबू महकेगी—२ **कीर्तन में**॥

कोई आँख लड़ाकर देखे—2
धड़कन मचलेगी—२ **कीर्तन में**॥

कोई श्याम को नचाकर देखे—2
मुरलिया गुंजेगी—२ कीर्तन में॥

'नन्दू' चलो भजन सुणावां—2
चदरिया निखरेगी—२ **कीर्तन में**॥

मेरी लाज तुम्हारी लाज, मुझे क्या डरना है।
तुम्हें सोच समझकर श्याम फैसला करना है॥

मेरी समझ में कुछ न आवे,
कैसे कैसे खेल रचावे,
तेरा हुक्म जो होगा नाथ–मुझे वहीं करना है।
मेरी लाज तुम्हारी...

कठपुतली क्या जोर दिखावे,
नाचे जैसे स्वामी नचावे,
तेरी मरजी है स्वीकार–मुझे वहीं करना है।
मेरी लाज तुम्हारी...

दीन जनों का श्याम सहारा,
तेरे बिन प्रभु कहां गुजारा,
तेरी किरपा दीनानाथ हमारा गहना है।
मेरी लाज तुम्हारी...

दिल की बात जुबाँ पर लाऊँ,
'नन्दू' आज नहीं सकुचाऊँ,
गर गई भगत की लाज–प्रभु क्या बचना है।
मेरी लाज तुम्हारी...

तर्ज : मुझे इश्क है तुम्ही से...

मेरी एक ही तमन्ना, ऐ सांवरे बिहारी,
रहना न दूर हमसे—लेना खबर हमारी॥

तूं पास जिनके रहता–रहता वहां सवेरा
तूं दूर जिनसे होता–होता वहां अन्धेरा,
तेरे बगैर मोहन–दिन भी है रात कारी.....
रहना....॥ १॥

उल्फत का रंग तेरा, कुछ ऐसा मुझ पे छाया,
बनकर तेरा दीवाना, तुझको रीझाने आया,
अब आस पास तेरे, बीते समय हमारी.....
रहना......॥ २॥

बनकर के श्याम मांझी, भव पार तो उतारो,
'नन्दू' मैं हूँ तुम्हारा, एक बार तो पुकारो,
समझूं ना रीत तेरी, ऐसा हूँ मैं अनाड़ी.....
रहना.....॥ ३॥

तर्ज : थाने कैंया भायो..

मेरी नींद उड़ादी, वंशी बजाकर, जुल्मी सांवरो।

रात अंधेरी, रूत जाड़े की, टप टप बरसै पाणी
टेम कुटेम नहीं कुछ देख, श्याम करै मनमानी जी
मेरी नींद उड़ादी......॥१॥
सुण वंशी की टेर, कालजो मेरो निकल्यो जावै
कै विध निकलुँ घर सै बाहर, बैरी लोक लजावै जी
मेरी नींद उड़ादी......॥ २॥
पड़गई बाण कुबाण खोड़ली, समझायो ना समझै
राड़ उधारी करतो डोलै, कुण बैरी नै बरजै जी
मेरी नींद उड़ादी......॥ ३॥
सुसराजी की नींद है मोटी, सासु भोली भाली
पिवजी नै समझाणो जाणूं, नणदल तेरा ताली जी
मेरी नींद उड़ादी......॥ ४॥
लोक लाज नै भूल गुजरिया, दौड़ पड़ी कूंजन मँ
'नन्दू' ऐसी रमी गूजरी, होश नहीं मधुवन मँ जी
मेरी नींद उड़ादी......॥५॥

मेरी सुनकर करुण पुकार सांवरा आएगा
आएगा श्याम आएगा, जीवन ज्योत जगाएगा
मुझे पुरा है एतबार, सांवरा आएगा

जितना भी बेहाल रहूँ मैं
क्यूं दूजे को हाल कहूं मैं
बरसेगी प्रेम फुहार–**सांवरा आएगा..........**
झूठे मीत सखा और नाते
दर्दी दिल का दर्द बढ़ाते
मुझे करने सच्चा प्यार– **सांवरा आएगा.......**
नयनों की भाषा वो जानें
मैं उसे जानूं वो मुझे जानें
सारे जग का पालनहार– **सांवरा आएगा.......**
प्रीत की रीत निभाता आया
भक्तन हेतु सांवरा धाया
'नन्दू' मन धीरज धार – **सांवरा आएगा.......**

तर्ज : कलयुग रो देव महान...

मेरो श्याम बड़ो दातार, लुटावै लख भगतां नै
प्रेम्यां रो पालनहार, लुटावै लख भगतां नै

श्याम सलुणो अर्न्तयामी, जाणै सैं को लेखो
यो देवै तो कुण रोकै लो, जरा रोक तो देखो
अन्न धन्न सै भरै भण्डार– **लुटावै लख भगतां नै**

छोड़ काटणी जड़ दूजै की, विरथा पाप कुमावै
हर्‌यो भर्‌यो संसार, सुनहरो लागै क्यूं भरमावै
कोई समझे, समझनहार–**लुटावै लख भगतां नै**

सांवरियै की मरजी आगै, कैं की मरजी चालै
स्वर्ग नरक सब ई धरती पर, भोग बिना कुण हालै
'नन्दू' पकड़ श्याम को द्वार– **लुटावै लख भगतां नै**

श्री श्याम भजन

तर्ज : रखवाला प्रतिपाला...

मैं दुखिया नीर बहाता, तूं बैठा मौज उड़ाता
कुछ तो सोच विचार रहम कर, दीना नाथ कुहाता
कुहाता.... मैं दुखिया....

ध्रुव प्रहलाद सुदामा जैसी, धीर कहां से लाऊँ
प्राणी हूँ कलिकाल का भगवन, हर पल धीर गंवाऊँ
जैसा भी पर, सेवक तेरा, काहे इसे लजाता
लजाता..... मैं दुखिया......

कष्ट अनेकों सहता गया मैं, लेकर नाम तुम्हारा
भूल गए क्यूँ नाथ पूछते, कभी तो हाल हमारा
दुखियों के हो, सखा टूट गया, क्या मुझ से ही नाता
ओ नाता..... मैं दुखिया......

आना हो तो आ बेदर्दी, अब तो सहा न जाए
तेरे रहते कष्ट सताएँ, कैसी साख निभाए
फिर न कहना, नहीं पुकारा, कैसे कष्ट मिटाता
मिटाता...... मैं दुखिया....

जो गति होगी नाथ सहूँगा, और भला क्या चारा
तेरे बस में हम, पर तुझ पर, बस न चले हमारा
'नन्दू' सहले, श्याम सुमरले, मनुआ धीर बन्धता
बन्धाता...... मैं दुखिया.....

श्री श्याम भजन

श्याम श्याम रटते रटते जो भूला सुध बुध सारी।
हुआ दीवाना उसका मेरा सांवलसा गिरधारी॥

❀ ❀ ❀

मैं दीवानां सांवरे का, श्याम मेरी लाज है
क्या कहूं घनश्याम को ये, मेरे सर का ताज है

हाथ में करताल पैरों में, बंधे हैं घुंघरु
मेरे दिल की धड़कनों में, श्याम की आगाज है
मैं दीवाना...

आंखो में छवि श्याम की, होठों पे इनका नाम है
इस जहां में मुझको मेरे, सांवरे पे नाज है
मैं दीवाना...

कौन देगा साथ मेरा, कौन रिश्ता तोड़ले
क्या फरक घनश्याम मेरी, जिन्दगी का राज है
मैं दीवाना...

रात को सोता जहां मैं, जागता जिसके लिए
'नन्दू' वो मालिक जगत का, पास कितना आज है
मैं दीवाना...

श्री श्याम भजन

तर्ज : थोड़ी किरपा करदे सांवरा...

मैं जनम जनम गुण गाऊगां, अब बाबा श्याम तुम्हारा
तेरी दया से धन्य हो गया, जीवन श्याम हमारा

निश्चय अटल बनाओ प्रभु मेरा
हर पल ध्यान रहे प्रभु तेरा
तेरे ही रंग में तेरे ही संग में बीते जनम हमारा
मैं जनम जनम.......

नैणों में हमारे श्याम प्यारे बस जाओ
रूप रसीला श्याम हमें दरसाओं
मेरे मन पे, मेरे तन पे, लिख दे नाम तुम्हारा
मैं जनम जनम.......

महिमा तुम्हारी श्याम सबको सुनाऊँगा
नित नए भजनों के हार मैं बनाऊँगा
ऐसो वर दे किरपा करदे झूम उठे जग सारा
मैं जनम जनम.......

नैया के खिवैया तुम मेरे आधार हो
दीन कमजोर के तुम्हीं श्रृंगार हो
कर लिया नाता तुमसे ही दाता– **'नन्दू'** तुझपे वारा
मैं जनम जनम.......

श्री श्याम भजन

तर्ज : मैं कैसे खेलू फाग....

मैं कैसे करुँ सतकार, सांवरिया घर पर आए
सांवरिया घर पर आए, मनमोहन घर पर आए
मैं कैसे करुँ....

कहां बिठाऊँ क्या मैं बिछाऊँ, समझ नहीं कुछ आवे
सीधा सांचा प्रेम देखकर, सांवरिया मुस्कावे
मैं कैसे करुँ.......

क्या मै खिलाऊँ क्या मैं पिलाऊँ, होश हवाश भूलाए
भगतों के वत्सल मनमोहन, अपनी भुजा बढ़ाए
मैं कैसे करुँ.......

खुद ही बैठ गए मनमोहन, भक्त को पास बिठाए
आंसू पोंछ भगत के देखो, सर पर हाथ घुमाए
मैं कैसे करुँ.......

तीन लोक के नाथ श्रीपति, प्रेम के मोल बिकाए
'नन्दू' सांचे –प्रेम के भूखे, साग पात गटकाए
मैं कैसे करुँ.......

तर्ज : मैं तो छोड़ चलीं बाबुल....

मैंने ओढ़ लई ओढ़णी रे—नटवर नागरिया,
रखना रखना—२ प्रभु इसकी लाज नटवर नागरिया...॥

भगतों ने प्यारी चुनरिया रंगाई,
भावों के तारों से—चुनड़ सजाई,
बूँटे बूँटे में—२ है तेरा नाम....**नटवर नागरिया....**

तेरे भरोसे चुनड़ मैंने ओढ़ी,
ना मुझ में शक्ति ना मैं कोई योगी,
मैं तो छोटा सा—२ तेरा गुलाम......**नटवर नागरिया....**

चुनड़ ने ऐसा, दीवाना बनाया,
गाँव गाँव गली गली, मुझको नचाया,
चाहे दुनियाँ—२ करे बदनाम....**नटवर नागरिया.......**

किस किस को मिलती ये चुनड़ कहो ना,
किस्मत से मिली मुझे मैं तो तजूं ना,
'नन्दू' भजनों का—२ ये परिणाम...**नटवर नागरिया...**

तर्ज : धीरे धीरे प्यार को ....

मैंने तेरे पास आके जाना है,
तूँ ही मेरा सांवरे ठिकाना है॥

चैन की खातिर चैन गंवाया,
दर दर भटका चैन न पाया,
तेरा दर चैन का खजाना है....**मैंने तेरे....**॥1॥
नयनों ने नयनों में झांका,
बदल दिया जीवन का खाका,
तूँने मुझे श्याम पहचाना है....**मैंने तेरे....**॥2॥
मेरे दिल की एक तमन्ना,
प्यार से भर दे कोना कोना,
प्रेम की रीत को निभाना है....**मैंने तेरे....**॥3॥
धन्य हुआ जो तुझको पाया,
मुझपे रखना अपना साया,
'नन्दू' तेरे चरणों का दीवाना है...**मैंने तेरे....**॥4॥

मैंने पायलिया झमकाई, अब तो आजा किसन कन्हाई
म्हारै मनड़ मं ज्योत जगा—सांवरिया प्रेम्यां न दरश दिखा
सांवरिया प्रेम्यां न दरश दिखा

थारी जगमग ज्योत जगाई, लड़ियां फूलां की लटकाई
बरसै भजना री अमृत धार—**सांवरिया प्रेम्यां न दरश दिखा**

थारो सिंहासन बनवायो, गादी तकिया सेज बिछायो
थारा मन सूं करां सत्कार—**सांवरिया प्रेम्यां न दरश दिखा**

पापी सोच मता चला जाज्यो थोड़ो म्हासूं भी बतलाज्यो
म्हारो जनम सफल हो जाय—**सांवरिया प्रेम्यां न दरश दिखा**

थारी प्रीत रो ढंग निरालो, कोई समझै समझन वारो
म्हारी मूढ़ मति पै न जा—**सांवरिया प्रेम्यां न दरश दिखा**

'नन्दू' अलख जगावां थारी, यारी रहे सलामत म्हारी
म्हां जैसा न संगी बणौ—**सांवरिया प्रेम्यां न दरश दिखा**

तर्ज : आया मैं आया बाबा ...

मैया री मैया, तेरा ये कन्हैया
मेरी मटकी फोड़ गिरावे, पनघट पर धूम मचावे
यो नितकी राड़ मचावे बरजूं तो आंख दिखावे

रोज रोज कितनी ल्याऊँ, मटकी बजार से
कितना बहाना करूँ, कोई न उधार दे
समझा समझा मैं हारी, पर मानें नहीं मुरारी
अब तेरै धोरै आई, **मां बनके मैं दुखियारी**

माखन खुवाऊँ मैया, दही भी पियाऊँ
पास बिठाकर मैया घणो समझाऊँ
यो मन ही मन मुस्कावै, मनै थोथी धीर बंधावै
यो फिर सै उधम मचावै—**बरजूं तो आंख दिखावै**

करदे कृपा तेरै लाल सै मैं हारी
कांई औकात मैं तो दुखड़ा की मारी
मैया यो जीव जलावै, यो तेरै ही वश मँ आवै
सगल्या नै नाच नचावै, **बरजूं तो आँख दिखावै**

कैसी ये लीला तेरी, कैसा ये खेल है
गूजरी सै कांई रिश्तो, कैसो यो मेल है
सब देवी देवता ध्यावै, **'नन्दू'** जग महिमा गावै
फिर भी दरशन नहीं पावै, **गोप्यां संग दोड़यो जावै**

श्री श्याम भजन

तर्ज : पल्लो लटके...

मीरा का साँवरिया बाई, मीरा का साँवरिया।
म्हासूं, म्हासूं, म्हासूं डोर प्रीत की जोड़ो जी॥
मीरा का साँवरिया......

मनमोहन धनश्याम थारा कामणगारा नैण,
हलचल माची जीव में पण समझ न पायो सैण,
म्हारी, म्हारी म्हारी, बुद्धि का पट खोलोजी।
मीरा का साँवरिया......

घुँघरवाला बाल शीश पर, मोर मुकुट अति प्यारो,
मंद-मंद मुस्कान पै थारी, मनड़ो म्हारो हार्यो,
म्हासूं, म्हासूं म्हासूं अब तो मुख न मोड़ोजी।
मीरा का साँवरिया......

श्याम बहादूर शिव का प्यारा, खाटू श्याम बिहारी,
हाथ पकड़ल्यो श्याम भक्त का, भक्तन के हितकारी,
'नन्दू' श्याम वरण रंग चोलो जी।
मीरा का साँवरिया......

श्री श्याम भजन

तर्ज : खाई के पान बनारस....

मोगरा गेंदा लाल गुलाब, चमेली जुही और कचनार,
गूंथ कर गजरो कर लियो त्यार, स्वीकारो सांवरिया सरकार॥

चमकणिया धागा में, म्हैं फूल पिरोया–२
फूलां संग सांवरिया, म्हारो हेत संजोया–२
फूल में सिमट्यो म्हारो प्यार, प्यार बिन सूनो यो शृंगार–**गूंथ**

पीला पीला गेंदा, कन्चन सा चमकै–२
उजली उजली रजनी, गंधा गम गमकै–२
गमागम कर रहयो है दरबार, छा गई मस्ती बेशुमार–**गूंथ**

जमघट यो भगतां को, दरबार में लाग्यो–२
चाव घणेरो सैं कै, मनड़ै मं जाग्यो–२
गजरो पहरो ना सरकार, करागां फिर थारीं मनुहार–**गूंथ**

हे कलयुग का राजा, म्हारी अरजी सुण ल्यो–२
कानुड़ा गिरधारी, भक्ति को वरदयो–२
'नन्दू' भजनां री दरकार, इशारो कर दिज्यो सरकार–**गूंथ**

श्री श्याम भजन

तर्ज : अफसाना लिख रही हूँ...

मोहन का जलवा जबसे, नैणों में छा गया
अनजनी प्रीत जुड़ गई, मस्ती में आ गया

बाँकी अदा घनश्याम की दीवाना कर गई–2
आँखे रसिक घनश्याम की, मस्ताना कर गई–2
अमृत अधरों से श्याम ने मुझ पर लुटा दिया
अनजनी प्रीत.....

दीवानगी में क्या मजा मैं कैसे जताऊँ–2
आनन्द क्या मिला मुझे मैं कैसे बताऊँ–2
बंशी की टेर छेड़ के मुझको जगा गया
अनजनी प्रीत.....

दिल में हमारे नित रहे प्रभु प्यार तुम्हारा–2
जग छोड़ दे तो छोड़ दे रहे साथ तुम्हारा–2
'नन्दू' दिलबर दिलदार पे दिल मेरा आ गसा
अनजनी प्रीत....

श्री श्याम भजन

तर्ज : मेहती ली थी...

म्हांप इतनी कृपा करो सांवरा, कीर्तन मं म्हारो ध्यान लगै
मुख गोविन्द गोविन्द गोपाल हो।

बैरी मनड़ो नाच नचावै,
बिना पंख यो उड़तो जावै,
मेरै पीछै पड्यो यो हाथ धो, हाथ धो।
कीर्तन मं म्हारो... ...

लख चौरासी भटक कै हार्यो,
अब की हे मेरे नाथ विचार्यो,
बणुं थारी गली रो चाकरो, चाकरो।
कीर्तन मं म्हारो... ...

श्याम नाम को जाम पिलाओ,
श्री चरणां री राह दिखाओ,
'नन्दू' सारो खेल थारै हाथ रो, हाथ रो।
कीर्तन मं म्हारो... ...

तर्ज : गरबा

यमुना के तट पर श्याम की बजने लगी देखो बांसुरी
चालो चालोरी सखियों चालो री.....

शीतल मन्द चले पुरवाई,
चन्दा ने किरणें फैलाई।
आज कैसी रात है, रात या परभात है।
जादू सभी पर कर डारोरी॥ **यमुना**॥

आज सजा कैसा नन्दलाला,
कितना सुन्दर कितना आला।
गोपिया लजाने लगी, रुप फिर सजाने लगी।
गोरों भयो देखौ कारोरी॥ **यमुना**॥

आज सभी ने सुध बिसराई,
लगी नाचने जो भी आई।
सावरे का साथ है, प्रेम की बरसात है,
कण कण हुए मतवारोरी॥ **यमुना**॥

'नन्दू' हाथ जोड़ समझावे,
करो जतन प्रभु हम भी आवे।
श्याम जहा रास हो, हम भी तेरे पास हो,
गोपी बनू चाहें गवारोरी॥ **यमुना**॥

याद आऐगी श्याम तेरी याद आएगी,
सांवरे फिर से मिलन की ये घड़ी कब आएगी॥

सांवरे हमने तो तुझसे पाया इतना प्यार है,
सज गया जीवन हमारा खुशियों की बौछार है...। **टेर**।

मेरी आंखों में समाया श्याम तेरा नूर है,
तेरे जलवों से मिली मुझे मस्तियाँ भरपूर है...। **टेर**।

हसरतें जीवन की मोहन, तेरा मेरा साथ हो,
मन भी तेरे पास मोहन, तन भी तेरे पास हो...। **टेर**।

श्याम मैं तेरा दीवाना, तूँ मेरा सरताज है,
'नन्दू' प्रेमी के हृदय पर चलता तेरा राज है...। **टेर**।

तर्ज : श्याम प्यारे मुरलिया...

याद तेरी बहुत जब सताई
श्याम आँखे मेरी भर आई

यूं तो कहते हो तुम, मेरे नजदीक हो
मैं तेरा मीत हूँ, तुम मेरे मीत हो
मैंने समझी तेरी चतुराई...... **श्याम आँखे मेरी**

जब जरूरत हुई तो खबर ना मिली
दिन कितने ढ़ले, शाम कितनी ढ़ली
सुध तुमने हमारी भूलाई...... **श्याम आँखे मेरी**

प्रेम करके दीवाना बनाया मुझे
जब दीवाना हुआ तरसाया मुझे
रीत तेरी, मुझे ना सुहाई...... **श्याम आँखे मेरी**

तेरे चरणों में अश्कों की सौगात है
बिन तुम्हारे हमारी, क्या औकात है
'नन्दू' धीरज ने धीरज बंधाई.. **श्याम आँखे मेरी**

तर्ज : श्याम श्याम बोल.......

यारी हमारी निभाना मुरारी।
तूँ देव मेरा मैं तेरा पुजारी॥

सेवा तुम्हारी बनै ना कन्हैया
रहती भटकती सदा मनकी नैया
दुखड़ा इसीका कन्हैया है भारी – 2
यारी हमारी........

गम के भँवर से कन्हैया निकालो
उलझन से जग की कन्हैया बचालो
दुनिया ने किसकी है नैया उबारी – 2
यारी हमारी........

सेवा करूँ ऐसी शक्ति दे मुझको
वन्दन करूँ ऐसी भक्ति दे मुझको
बजती है देखो दो हाथों से ताली – 2
यारी हमारी........

नरसी ने भजनों से तुझको रिझाया
मीरा दिवानी ने सब कुछ लुटाया
'नन्दू' क्या दूं मैं, सुदामा भिखारी – 2
यारी हमारी........

तर्ज : बाबुल की दुआएं...

ये अपनी अपनी किस्मत है कोई खोता है कोई पाता है
कोई उसका कैसे बिगाड़ सके, तूं जिसका भाग्य विधाता है

प्रहलाद भक्त को अग्नि में, हिरणाकुश ने फिंकवा डाला
पर कौन जला और कौन बचा, सारे जग ने देखा भाला
भक्तों का रक्षक हरिनाम, भक्तों का कष्ट मिटाता है
कोई उसका.....

सतयुग त्रेता द्वापर कलयुग, ये रीत कभी ना बदलेगी
मीरा नरसी पांचाली की गाथाएं युग युग निखरेगी
जो तुझको प्रभु रिझाता है, तूं उसकी लाज बचाता है
कोई उसका....

विश्वास हृदय में है पक्का, भक्तों का श्याम दीवाना है
'नन्दू' क्या बोलूं ओ कान्हां मेरा भी प्रेम निभाना है
मैं वैसा तेरा दास नहीं, तूँ फिर भी प्रेम लुटाता है
कोई उसका....

तर्ज : सज धज कर...

दोहा : नैण मिलाकर सांवरा, नैण चुरानो छोड़ो।
राह दिखाकर मिलन की–इब ना म्हान मोड़ो॥

ये कैसी आंख-मिचौली है, कभी आते हो कभी जाते हो।
ये कैसा प्रेम तुम्हारा है, युं प्रेमी को तरसाते हो।।

सपना दिखला भरमाते हो, सोई हुई प्यास बढ़ाते हो,
युँ जाल बिछाकर माया का, प्रभु क्युँ हमको आजमाते हो।
ये कैसी आँख.............

क्या तुमको हमसे प्यार नही, क्या हमको तुमसे प्यार नहीं,
ये कैसा तेरा रिश्ता है – रिश्ते में दर्द बढ़ाते हो।
ये कैसी आँख.............

मुझे एक सहारा तेरा है, तुझ पर ही जीवन मेरा है,
अब लोग हँसेंगे–सांवरिया–क्यूँ हमसे नैण चुराते हो।
ये कैसी आँख.............

इन्सान हूँ मैं भगवान हो तुम, कमजोर हूँ मैं बलवान हो तुम,
'नन्दू' निर्बल की बाँह पकड़, अब किसलिए बाँह छुड़ाते हो।
ये कैसी आँख.............

रूखलो मेरो सांवरियो
दयालू मेरो सांवरियो

मैं तो अपने दिल की बातें, बाबा को बतलाऊँ
हो सकती है देर मगर मैं, पास प्रभू को पाऊँ
रूखलो मेरो...........

कदर प्रेम की जाणै ऐसा, देव न देखा दूजा
इसीलिए मन के मंदिर में, नाम श्याम का गूंजा
रूखलो मेरो...........

इनकी दया से **'नन्दू'** निर्भय, होकर फर्ज निभाऊँ
मेरो मालिक सेठ सांवरो, जरा नहीं घबराऊँ
रूखलो मेरो...........

रूठ के कित जायगो, जरा बोलो साँवरिया।
बोलो साँवरिया, बोलो साँवरिया॥

मैं तो हूँ तेरा प्रेमी पुराना,
बहुत कठिन है हमको भूलाना,
यो प्रेमी कित पायगो – **जरा बोलो...**

रोज-रोज जे उधम रचैगो,
कौन तुम्हारो नखरो सहैगो,
कैं पर हुक्म चलाएगो – **जरा बोलो...**

या दुनियाँ मतलब की गरजन,
बिन मतलब नहीं बोल मोहन,
छोड़ मुझे कित जाएगो – जरा बोलो...

सीधी-सादी बात मान ले,
'नन्दू' तेरो दास जान ले,
जनम-जनम गुण गायगो – **जरा बोलो...**

तर्ज : पल्लो लटकै.....

रंग बरसै प्रेम को रंग बरसै
रंगीले श्याम के दरबार मांही रंग बरसै

रंग.....॥

रंग रंगीलो श्याम छबीलो ऐसो रंग लगावै
प्रेम प्रीत में रम्यो दीवानो चरणां में रम जावै
रसीलै श्याम कै चरणां में ऐसो मन हरषै
रंग.....॥

केशर और कस्तूरी महकै महकै अत्तर गुलाबी
खुशबू ही खुशबू में डोलै प्यारो श्याम मिजाजी
सजीलै श्याम की मस्ती नै सारो जग तरसै
रंग.....॥

श्याम दीवाना श्याम का प्रेमी मस्त बण्या गुण गावै
सांवरियो सरकार प्रेम को, अमृत रस बरसावै
'नन्दू' रंगस्यां मनड़ो आज भगता को मन हरषै
रंग.....॥

दोहा – सौदागर श्री श्याम नाम का, आया तेरे द्वारे
श्याम नाम का सौदा करले घर घर जाए पुकारे

❁ ❁ ❁

रचनारा नाम हरि का, भवतारा नाम हरि का
जीवन रच जाएगा, भव से तर जाएगा
मन भजले नाम हरि का,वरना पछताएगा।

हरि नाम से पत्थर भी तर जाते है
हरि नाम से बंजर भी हरषाते है
तूं क्यूं मुरझाया है, मुख क्यूं लटकाया है
तूं भूल गया वादे, कैसा उलझाया है।
रचनारा नाम हरि..........

नाम हरि का सबसे सांची पूंजी है
खोल दे हर ताला ऐसी कूंजी है
मीरा ने पाया है नरसी ने गाया है
बजरंग बली जी के नस नस में समाया है।
रचनारा नाम हरि..........

हरि नाम की महिमा जिसने गाई है
'नन्दू' करली उसने खरी कमाई है
जीवन हरषाया है, सदा मौज उड़ाया है
सच्चे भक्तों के लिए, प्रभु दौड़ा आया है।
रचनारा नाम हरि..........

राच्यो दरभंग मं उत्सव
भगतां न्यूतो दीन्यो मिलकर
आज्यो आज्यो जी सजधज कर–प्यारा सांवरिया,– प्यारा सांवरिया

म्हारै मन मं चाव घणेरो, करां स्वागत बाबा तेरो
म्हांपै एक नजर तो फेरो, प्यारा सांवरिया
अंतर केसर चंदन ल्याया, फूलड़ां को हार बनाया
थारै छप्पन भोग सजाया–प्यारा सांवरिया–**प्यारा सांवरिया....**

म्हारो मंडल बाबा छोटो, सुविधा को थोड़ो टोटो
तूँ सेठ सांवरा मोटो, प्यारा सांवरिया
थे तो दीन की पीड़ा जाणो, भगतां री प्रीत पिछाणों
थानै आज पड़ैगो आणो –प्यारा सांवरिया–**प्यारा सांवरिया....**

दुनिया में सगलै जाओ, सम्मान मोकलो पाओ
थे म्हानै भी अजमाओ, प्यारा सांवरिया
सेवा में खुद बिछजास्यां, थारा सारा नाज उठास्यां
थाँन दिल सूँ आज रिझास्यां– प्यारा सांवरिया–**प्यारा सांवरिया....**

भगतां रो भीड़ी आयो, दरबार को मान बढ़ायो
प्रेम्यां रो प्रेम सवायो, प्यारा सांवरिया
'नन्दू' जय जयकार लगाले, बेगो सो काम पटाले
यो अवसर आज भुनाले– प्यारा सांवरिया–**प्यारा सांवरिया.....**

तर्ज : ब्रजवासी–माच्यो है शोर....

राधा की पायल छम छम बाजै,
छम छम बाजे पायल राधा रानी नाचै,
श्याम ने छेड़ा तराना राधा का श्याम दीवाना।

राधा जब पायल छमकावै
कानूड़ो झट दोड़यो आवै
करे ना कोई बहाना–**राधा का श्याम दीवाना...**॥१॥

हरी भरी धरती हरयो भरयो उपवन
गूंज रहयो सारो वृन्दावन
गूंज रहा बरसाणा –**राधा का श्याम दीवाना...**॥२॥

गौर वरण की राधा प्यारी
सांवली सूरत कृष्ण मुरारी
ज्यूँ शम्मा परवाना–**राधा का श्याम दीवाना...**॥३॥

'नन्दू' भज श्री राधे राधे
राधे जी श्री श्याम से मिला दे
प्रेम का मन्त्र सुहाना–**राधा का श्याम दीवाना...**॥४॥

श्री श्याम भजन

तर्ज : याला–याला....

राधे का चितचोर कन्हैया, दाउ जी का नटखट भैया।
कुंज गलीन का रास रचैया, भा गया हमें भा गया॥

मोर मुकुट मोतियों की माला, ऐसा प्यारा रूप निराला
कारी कारी अंखिया कारी, होठों की लाली मतवारी
पीत वसन पिताम्बरधारी, भा गया **हमें भा गया....**(1)

किसी प्रेमी ने इसे सजाया, केशर चंदन अतर लगाया
बांकी बांकी चितवन प्यारी, कर में मुरली जादूगारी
कानूड़ा गोर्वधनधारी–भा गया **हमें भा गया....** (२)

नयनों से बाते ये करता, कभी मचलता कभी मटकता
जब देखूं हंसता ही जाए, प्रीत के तीर चलाता जाए
मेरा जी ललचाता जाए–भा गया **हमें भा गया....** (3)

माखन मिश्री बेगा लाओ, कानूड़ा का जी ललचाओ
सारा चट मत ना कर जाना, **'नन्दू'** कुछ हमको दे जाना
तेरा मेरा प्यार पुराना–भा गया **हमें भा गया...** (4)

श्री श्याम भजन

राधे गोविन्द श्री हरि हरि बोल हरि हरि बोल।
ये जीवन हमारा, बड़ा अनमोल॥

नन्हा सा दीपक है, नन्हीं सी बाती,
जाने कहाँ चूक जाए ये साथी,
अपना समझ के, वृथा मत डोल–2
ये जीवन हमारा ....

दुनियाँ के मेले में, तूँ है अकेला,
तुझको चुराने पे, आतुर है रेला,
कर ले किनारा, ना शक्ति को तोल–2
ये जीवन हमारा ....

बन जा तूँ बाबा की, आँखों का तारा,
दुनियां के रिश्तों से, किसका गुजारा,
'नन्दू' लगाने दे, दुनियां को मोल–2
ये जीवन हमारा ....

श्री श्याम भजन

तर्ज : गाड़ी वाले गाड़ी धीरे....

राधे मेरी बंसी कहां खो गई, कोई ना बतावै शाम हो गई
राधे मेरी बंसी......

बिन बंसी कैसे घर जाऊँ, बंसी प्राण पियारी–2
बाबा तो मुझे कछु न कहैगो, दाऊ पड़ैगो भारी
ओ राधे मेरी बंसी.....
बंसी सुनकर सगरी गैया, देती दूध दूधाकर–2
अब मैया से कायं कहूँगो राधे मैं घर जाकर
ओ राधे मेरी बंसी.....
हंसी ठिठोली बहुत हो गई, जान के पड़ गए लाले–2
अंधियारो भी बढ़नै लागो, डर रह सगरे ग्वाले
ओ राधे मेरी बंसी.....
यमुना को तट बंशी को वट, डीकै डाली डाली 2
कुंज गलीन गोपीजन डीकै, डीकै ब्रज की नारी
ओ राधे मेरी बंसी.....
कानूड़ा का हाल देखकर, राधा हांसण लागी–2
'नन्दू' दिखा दिखाकर बंसी, राधा भाजण लागी
ओ राधे मेरी बंसी.....

श्री श्याम भजन

तर्ज : दिन है बहार के ......

राधे रानी का जादू कन्हैया पे छा रहा
राधा मिले तो कान्हां मिल जावै
राधे ......राधे.....कान्हां .....कान्हां

राधे वृषभान दुलारी, कन्हैया की शक्ति
राधे रानी से जगमग, कन्हैया की सृष्टि
राधे रानी में प्यारा, कन्हैया समा रहा
राधा मिले तो........
राधे जी रस की प्यारी, रस बरसावे
राधे के रस में कान्हां, रास रचावे
कण कण श्री बृजभूमि का, सबको लुभा रहा
राधा मिले तो.........
शिवशंकर भोले बाबा, तजके समाधि
नाच रहे महारास में नर से बन नारी
खिसकी जब मुख से साड़ी, भोला शरमा रहा
राधा मिले तो ....
भक्तों की भक्ति राधे, योगियों की मुक्ति
वेदों की रिचाएं राधे, ग्रंथों की श्रुति
'नन्दू' सुमरण राधे का, भक्तों को भा रहा
राधा मिले तो.........

दोहा : राधा राधा मैं जपूं, जब तक घट में प्राण
जित राधा उत सांवरो, कह गए संत महान

❋❋❋

राधे रानी कन्हैया के दर्शन करा
दरशन करा हमें श्याम से मिला.....2
राधे रानी ....

सूरत सलौणी सुनी बड़ी प्यारी
चितवन है बांकी, तो आंखिया है कारी
अधरों में कान्हा के अमृत भरा.....2
राधे रानी ....

धुंधराले बालों की शोभा निराली
मणियों की बेणी, मोरपंख आली
हाथों में मूरली, है मूरलीधरा.....2
राधे रानी ....

लाल लाल धोती, दुपट्टा है पीला
देखूं मैं राधे लीलाधर की लीला
'नन्दू' दिवाना शरण में पड़ा..... 2

राहों पे घनश्याम की, वो ही चला करते हैं।
जिन पर दया की नजर, मेरे घनश्याम रखते हैं ॥

भगतो की लेते हैं, बाबा परीक्षा,
बाबा ही करते हैं भक्तों की रक्षा
कांटे सभी राह के, फूल बना करते हैं ॥
जिन पर दया......॥१॥

सुख दुख के पहिए पे, चलता है जीवन
आती है जाती है,जीवन में उलझन
लेते प्रभू नाम जो, वो ही पार हुआ करते हैं ॥
जिन पर दया......॥२॥

आंखों में आंसू, लबों पे तराना
बाबा की मस्ती में, डूबे दीवाना
'नन्दू' मिले क्या इन्हें, इसे वो ही समझ सकते हैं ॥
जिन पर दया......॥३॥

तर्ज : कहीं पे निगाहें कहीं पे...

लग गए झूले, झूले किसन मुरारी,
देख रहे देव छटा, अति मनुहारी।

किस्मत कदम्ब की, देवों ने है सराही,
जिसके तले झूले, किसन कन्हाई,
रेशम की डोरी, चटख रंग वारी।
लग गए झूले... ...

झूले कन्हैया, झूलावे राधा प्यारी,
बंशी बजावे, मेरा श्याम बिहारी,
नाच रही सखियां, दे दे ताली।
लग गए झूले... ...

बरसे गगन से, झमाझम पानी,
दुल्हन सी सज गई है, धरती सुहानी,
नाच रहे मोर, रुत आई मतवारी।
लग गए झूले... ...

कान्हां ओ कान्हां, दीवाने तेरे आए,
करदे कृपा हम भी, तुमको झुलाऐं,
'नन्दू' हमारी आएगी, कब बारी।
लग गए झूले... ...

तर्ज : चली चली रे पतंग मेरी...

ल्याया ल्याया जी निशान थारो ल्याया जी,
आयो फागणियो सुरंग, फड़क म्हारो अंग अंग-2
मन रंगगो रंगगी काया जी... ल्याया...

निशान की महिमा भारी, ई पर राजै श्याम बिहारी,
कई रंगा की भरमार, चमकै गोट की चमकार–2
ये तो लहर-लहर लहराया जी... **ल्याया...**

टोल्यां प टोली आवै, थानै नया-नया भजन सुणांवै,
थारी बोलै जयकार, मिल सारा नरनार–2
अम्बर मं गूंज मचाया जी... **ल्याया...**

भगतां को संग निरालो, ई न पावै किस्मत वालों,
लागी श्याम सै लगन, नांचा हो कै मगन–2
धन भाग जो ये सुख पाया जी... **ल्याया...**

आवै जद श्याम बुलावै, बड़ भागी दरशन पावै,
करल्यो जितनो जतन, आणो बड़ो ही कठिन।
बिन श्याम प्रभु कै बुलायां जी... **ल्याया...**

खाटू मँ फेर मिलांगा, प्रभु सै अरदास करांगा,
'नन्दू' आवां हर साल, चाहे जैसा भी हो हाल–2
प्रभु चरणां मं अरज लगाया जी... **ल्याया...**

श्री श्याम भजन

तर्ज : परदेशी परदेशी....

लहराके, लहराके चलते रहो, श्याम ध्वजा श्याम ध्वजा
बनेंगे सहारे श्याम पियारे, भक्तों की नैया बाबा खुद ही सम्हाले

केशरीया रंग सबके मनको भाया है–भाया है
लम्पी गोटा तारा खूब जड़ाया है
चमचम चमके जैसे चांद सितारे हों–सितारे हों
सबके होठों पर प्रभु के जयकारे हों॥ **बनेंगे सहारे.....**

बजरंगी बलवान हमें हिम्मत देना– हिम्मत देना
लाल ध्वजा के साथ हमारे संग रहना
तुम तो प्रभु के सबसे प्यारे पायक हो–पायक हो
भक्तों के आदर्श प्रभु गुण गायक हो॥ **बनेंगे सहारे.....**

बड़े दिनों से ऐसा अवसर आया है– आया है
श्याम ध्वजा के संग प्रभु ने बुलाया है
बाबा के दरबार में नाचे गाएंगे–गाएंगे
शिखरबन्द पर श्याम ध्वजा लहराएंगे॥ **बनेंगे सहारे.....**

ओ खाटु के श्याम दया बरसा देना–बरसा देना
हम सब हैं नादान हमें अपना लेना
पूजा वन्दन नाथ हमें कुछ ना आवे–ना आवे
''नन्दू'' सेवक श्याम रंग में रंग जावे॥ **बनेंगे सहारे.....**

श्री श्याम भजन

तर्ज : इस भरी दुनियाँ में.....

लेख किस्मत के पढ़े ना ये पढ़े जाते है।
जो भी जब होना है, होकर ही नजर आते हैं ॥

लिखने वाले ने मेरे भाग्य में क्या लिखा है,
क्यों जलूं सोच में, ये सोच ही भरमाते हैं.....
जो भी जब....॥१॥

जिसने हर सै को धड़कने की कला सिखलाई,
हम तो उसके ही दम, आगे को निकल आते हैं.....
जो भी जब....॥२॥

वो ही रहवर है मेरा, उसको खबर है मेरी,
'नन्दू' हर हाल में, उसको ही पास पाते हैं....
जो भी जब....॥३॥

श्री श्याम भजन

बाबा के जन्मोत्सव पर

दोहा : सुमरण कर प्रभु आपको, लयाया भक्त निशान
भाव भक्ति का सांवरे, दे हमको वरदान

✻ ✻ ✻

लेके आए हैं निशान बाबा देना थोड़ा ध्यान
देना थोड़ा ध्यान, बाबा देना थोड़ा ध्यान...लेके

कार्तिक सुदी की ग्यारस आई, मन में उमंगे लाई
जन्म दिवस पर श्याम आपको, देने आए बधाई
तूं ही सेठ तूं ही जजमान, बाबा देना थोड़ा ध्यान...**लेके**

केशरिया निशान बनाकर, तारों से सजवाया
लगे नाचने प्रेमी जब ये, लहर लहर लहराया
ये है प्रेम की पहचान, बाबा देना थोड़ा ध्यान...**लेके**

कोई बांटे टाफी मेवा, कोई बांटे लड्डू
कोई बांटे खेल खिलौना, कोई बांटे लट्टू
प्यारा उत्सव आलीशान,बाबा देना थोड़ा ध्यान...**लेके**

प्रेमी जन की प्रेम भावना, कर लीज्यो स्वीकार
श्याम ध्वजा कै रूप मं बाबा, यो भगतां को प्यार
'नन्दू' सेवकियो नादान, बाबा देना थोड़ा ध्यान...**लेके**

श्री श्याम भजन

तर्ज : उड़ उड़ र म्हारा काला...

लीला रे–म्हानै श्याम सै मिला दे,
छम छम करतो बेगो आ..श्याम घणी नै सागै ल्या॥

तूँ तो है बाबा की सवारी,
तेरे बिन हालै ना बिहारी,
अरजी म्हारी लेतो जा...**श्याम धणी नै सागै ल्या॥**

सांवरियो नै अरज सुणाजे,
तूँ भी थोड़ो जोर लगाजे,
आंखड़ल्यारी, प्यास बुझा...**श्याम धणी नै सागै ल्या॥**

तूँ सेवक बाबा को प्यारो,
तेरे बस में श्याम हमारो,
सेवकिया री लाज निभा...**श्याम धणी नै सागै ल्या॥**

आशा मन में तेरी भारी,
कद आसी म्हारो श्याम बिहारी,
'नन्दू' वादो करतो जा...**श्याम धणी नै सागै ल्या॥**

तर्ज : ना कजरे की धार...

लीले के असवार मेरे, जीवन के आधार,
मैंने किया तुम्हीं से प्यार, बाबा तुम्हीं हमारे हो।
बाबा तुम्हीं हमारे हो...
बिन तेरे गोपाल, मेरा हाल हुआ बेहाल,
मुझे लगता जग जंजाल, तुम्हीं तो प्राण हमारे हो।

ये कैसी व्याध रचाई, ये दुनियाँ खूब बनाई,
मैं तड़प–तड़प रह जाऊँ, तुम्हें जरा दया ना आई,
घबराऊँ–तरसाऊँ – 2 तूं देख मुझे एक बार।
लीले के असवार ... ...

चरणों से प्रीत घणेरी, नहीं भाए मुझको दूरी,
तूँ हर पल साथ रहे तो, ये कमी मेरी हो पूरी,
दे सेवा, मेरे देवा – 2 सुनले तूँ करुण पुकार।
लीले के असवार ... ...

जो भार दिया है तुमने, ये भी है भार तुम्हारा,
मैं बालक हूँ छोटा सा, कुछ कर ले ध्यान हमारा,
मेरे कान्हाँ, चले आना – 2 **'नन्दू'** हैं ताबेदार।
लीले के असवार ... ...

तर्ज : कजरा मोहब्बत वाला....

लीलै पै बाबो सोवै, मनड़ो भगतां रो मोहै
ऐसो सज्यो है सरकार–लेऊँ रे नजरिया उतार

केशरिया बाग उपर, हार गुलाबी प्यारो
माथे मुकुट मणियों का, कुण्डल कानां मं न्यारो
केशर को तिलक लग्यो है, बाबो म्हारो खूब सज्यो है
ऐसो अजब सिणगार... लेऊँ रे......

भगतां न दियो बुलावो, सांवरियो मिलण आयो
खुलसी भण्डार रा ताला, माल लुटावण आयो
लेवांगा बढ़के आगे–दुखड़ा मिनटां मं भागे
झोली भरैलो सरकार... लेऊँ रे.....

कह दीज्यो अपणै मन की...बाबो सुणैगो सबकी
कलयुग में देव निरालो–**'नन्दू'** जाणै घट घट की
करमां रा लेख बदलदे–काया कंचन सी कर दे
भगतां रो सांचो आधार... लेऊँ रे.....

तर्ज : सांचो सांचो प्रभु को दरबार...

दोहा–लीले घोड़े चढ़कर बाबा छम छम करता आओ।
खाटू रा सिरदार सांवरा, नेहड़लो बरसाओ॥

❋ ❋ ❋

लीलै घोड़े रा असवार, बाबाजी थानै याद करां
याद करां फरियाद करां
म्हारा थे ही पालणहार बाबाजी थानै याद करां॥ लीलै॥

उत्सव राच्यो आज आपको, भीड़ हुई है भारी
दरशन करबा दूर दूर सै, आया है नरनारी
सैंके मन में हर्ष अपार, बाबाजी थानै याद करां॥ म्हारा.॥

अलबेलो दरबार आपको, आज सज्यो अति प्यारो
रतन सिंहासन आय बिराजो, तरसै मनड़ो म्हारो
म्हारी अरजी करो स्वीकार, बाबाजी थानै याद करां॥ **म्हारा...**॥

लीलै रा असवार सांवरा, मतना बार लगाओ
भोला ढाला प्रेम्यां नैं, सांवरिया मत अजमाओ
थारी जीत हुई म्हारी हार, बाबाजी थानै याद करां॥ **म्हारा...**॥

जगमग ज्योत जगी सांवरिया, जगमग हुयो उजारो
म्हें तो थारा बणकर बाबा पकड्यो थारो द्वारो
'नन्दू' करबा जाण पिछाण, बाबाजी थानै याद करां॥ **म्हारा...**॥

लीलै घौड़े की लाल लगाम
ज्यां पै बैठ्यो है, बाबो श्याम श्याम श्याम.....

रूप सजीलो सजधजकर, बाबो करै सवारी
एक हाथं मं मोर छड़ी, दूजै ध्वजा पियारी
ऐसी चाल चलै, पापी मनड़ो डरै... **लीलै घौड़े की .....**

भगतां खातिर सांवरियो, लीलै चढ़कर आवै
दुष्टा को संहार करै, धर्म ध्वजा फहरावै
दुख दूर करै, कष्ट सारा हरै.... **लीलै घौड़े की .....**

कलयुग मं अवतार है यो, अहलावती को लालो
देव बड़ो दातार है यो, चालो शरणै चालो
झोली सबकी भरै, सबकै मनकी करै. **लीलै घौड़े की ...**

श्याम हमारो दानी है, धन माया बरसावै
'नन्दू' इणसूं जो मांगै, मांगै जो मिल जावै
नाम गूंज रह्यो, देव है यो बड़ो... **लीलै घौड़े की......**

तर्ज : म्हानै इबकी बचाले....

लीलै घोड़े की लाल लगाम
बाबा रो सेवक लाड़लो

सांवरिया की सेवा मांही, आठो प्रहर डट्‌यो है
झूमझम सब काम नमेड़, करतो नहीं यो विश्राम
बाबा रो .....
भगतां री सा खबर, श्याम कै कानां तक पहूंचावै
भगतां रो सांचो हमदर्दी, भगतां रा सारै सगला काम
बाबा रो .....
'नन्दू' श्याम रिझाणो हो तो, लीलै नै पटाले
सांवरिया को सांचो सेवक, राजी तो राजी बाबो श्याम
बाबा रो......

तर्ज : थारो जय हो पवन कुमार...

लीलो घोड़ो श्याम को,
सुण बाबा रो गुणगान, ल्यावै जी लीलो बाबा नै।

लीलो जद मस्ती मं चालै,
पगल्यां रा घुंघरिया हालै,
छम छम की गूंजे ताल ल्यावै जी **लीलो** ....

लीलै उपर करै सवारी,
खाटू वालों श्याम बिहारी,
लीलै सै मोटो प्यार ल्यावै जी **लीलो** ....

भजन भाव को भूखो लीलो,
बड़ो सजीलो बड़ो रसीलो,
भजनां सूँ करो सत्कार ल्यावै जी **लीलो** ....

श्याम प्रभु सै मिलणो चावो,
भजनां मं साँचा रम जाओ,
'नन्दू' बोलै भरै दरबार ल्यावै जी **लीलो** ....

तर्ज : रिमझिम रिमझिम आ...

लीलै वाला श्याम आजा, लीलै चढ़के ।
भक्त खड़या स्वागत करबानै, सजधज के ॥

कोई ल्यायो फूलारो गजरो, कोई मोतियन हार,
कोई ल्यायो केशर-चन्दन कोई ल्यायो प्यार,
खीर-चूरमो माखन-मिश्री पाओ डटकै।
भक्त खड़या.........

रिमझिम बरसै बादली, कोई अमृत सी बरसात,
फुरसत माँही करो साँवरा, म्हासूँ मुलाकात,
प्रेम्याँ की आँख्या सूँ बाबा, नेह छलकै।
भक्त खड़या.........

सारे जग का मालिक हो थे, म्हें छोटा सा दास,
थारी कृपा सूँ बढ़तो रहैगो, दीनाँ को विश्वास,
'नन्दू' गले लगाल्यो बाबा, म्हानै बढ़कै।
भक्त खड़या.........

॥ धमाल॥

लीलो साँवरियै को कीर्तन मांही छमछम नांचै जी,
लीलो साँवरियै को।
छमछम नाचै, छमछम नाचे, छमछम नाचे जी,
लीला साँवरियै को।

सांवरियो सरकार आज भगतां रै धौरे आयो जी
दोनूँ हाथां आज साँवरो, खुशियां बांटे जी.... **लीलो...**

साँवरियो दरबार लगाकर, सुण रह्यो सैंकी अरजी जी
किस्मत का सै लेख आज, साँवरियो बांचै जी.... **लीलो..**

कहणै मं के सार, साँवरो, सैं कै घट की जाणै जी
शरणागत का सगला दुखड़ा, बाबो छांटै जी.... **लीलो...**

देख देख लीलै की मस्ती, सैं पर मस्ती छाई जी
'नन्दू' सेठ दयालू आज, मस्ती मं नाचै जी... **लीलो..**

तर्ज : जलती रहे खाटू वाले.....

दोहा : हिय बिन काया सून है, हियो सून बिन प्राण ।
प्राण स्वांस बिन सून है, स्वांस सून बिन श्याम॥

* * *

लूट लो नसीबों वालो है लूट भई श्याम नाम की
श्याम नाम की गोपाल नाम की... लूट लो... .

श्याम प्रभु की ज्योति जगाई
ज्योति जगाई भाया ज्योत जगाई
गूंजे जय जयकार लूट भई श्याम नाम की–2 लूट लो...
सज धज कर म्हारा श्याम पधार्‌या
श्याम पधार्‌या घनश्याम पधार्‌या
हो लील असवार लूट भई श्याम नाम की–2 लूट लो...
अधम उद्धारण नाम श्याम को
नाम श्याम को नाम श्याम को
महिमा बड़ी अपार लूट भई श्याम नाम की–2 लूट लो...
कलि में केवल नाम अधारा
नाम अधारा भाई नाम अधारा
सुमरण सूँ भवपार लूट भई श्याम नाम की–2 लूट लो...
जपले ऊँ श्री श्याम देवायः
श्याम देवायः नमः श्याम देवायः
'नन्दू' सांचो सार लूट भई श्याम नाम की–2 लूट लो...

तर्ज : गाड़ी वाले मुझे बिठाले...

दोहा : डीकत डीकत सांवरा, आंख्या हुइ अधीर।
विरह वेदना युं बढ़ी, छलकण लाग्यो नीर॥

◇◇◇

वन–वन गाय चराने वाले, मेर कानी देख
बता कित खोयो है
खोयो है जी खोयो है–कुण सी नीद में सोयो है वन वन...

काली कंम्बली वालो तूं गायाँ को गुआलो तूं
हाथ में लकुटी लियां फिरै, मोहन मुरली वालो तूं
इक बर नजर मिलाले मुझसे–2 प्यारो तेरो भेष
बता कित खोयो है वन वन........

मोर मुकुट सिर पर सोहे रूप रसीलो मन मोहे
देख देख मुस्कान तेरी, निरस मन रसमय होय
माची हील हिल्लोर हियमं–2 तूं सेठां रो सेठ
बता कित खोयो है वन वन.........

नरसी का नट नागरिया, मीरा बाई का सांवरिया
डोर प्रेम की जोड़ धणी म्हें भी तेरा चाकरिया
'नन्दू' दीननाथ दया कर–2 हाथ प्रेम को फेर
बता कित खोयो है वन वन..........

वृषभान लली इब महर करो
हम तेरी शरण में आए हैं, राधे तेरी शरण में आए है

वृषभान दुलारी – श्री राधे,
श्री कृष्ण प्यारी – श्री राधे
अरजी भक्तों की चित्त धरो–2 **हम तेरी** ......

देवों की शक्ति – श्री राधे,
भक्तों की भक्ति – श्री राधे
पीड़ा भक्तों की मात हरो–2 **हम तेरी** ......

करुणा की सागर – श्री राधे,
छलका दे गागर – श्री राधे
रस प्रेम मेरे अंतर में भरो–2 **हम तेरी**......

हमें योग्य बनाओ – श्री राधे,
कान्हां से मिलाओ–श्री राधे
'नन्दू' मैया उद्धार करो–2 **हम तेरी...**

रसिया : सावन का

वाह वाह रे सूरत मन मोहन की
क्या बात मेरे जीवनधन की

रतन सिहांसनपर सजधज कर
बैठ्यो है सांवरिया जंचकर
मोर मुकुट गल मोतियन माला
रसभरे अधर नयन मतवाला
प्यारी प्यारी अदाएं चितवन की...**वाह वाह**......

कर में मुरलिया जादूगारी
संग खड़ी वृषभान दुलारी
गोप गोपियां लाड लडावें
ठुमक ठुमक कर नाचें गावें
जय बोलो युगल राधेवर की...**वाह वाह**......

चाकरियो कर जोड़ मनावै
युगल रूप नैणां बस जावै
'नन्दू' निरखूं यही नज़ारा
संग खड़ा राधे वर प्यारा
सुध रहे ना रहे मुझे तन मन की...**वाह वाह**......

तर्ज : तेरी मुरलिया दिल ले गई....

दोहा : श्याम कहे मैं हूँ श्यामा में, श्यामा नाम सुहाए
जो भजे इस नाम को, श्याम उसे मिल जाए

❋ ❋ ❋

वेद कहे बोलो राधे राधे – ग्रन्थ कहे बोलो राधे राधे
कन्हैया को ये नाम – प्यारा लगे

श्यामा में श्याम समाया है, श्यामा के वश में ही आया है
श्याम ने श्यामा श्यामा गाया है, श्यामा ने प्रेम सिखाया है
श्यामा है वन्दना, श्यामा है अर्चना
श्यामा श्याम में ढली, श्यामा जग की है मां
श्याम से मिलाने वाली राधे राधे, रस बरसाने वाली राधे राधे
कन्हैया को ये नाम –
दुनियां में जो भी आया है, राधे से जीवन पाया है
जिसने ये नाम बिसराया है, श्याम को उसने न पाया है
श्यामा है कालिका, श्यामा है पालिका,
श्यामा है, चण्डिका, श्यामा है राधिका
भक्ति जगाने वाली राधे–राधे, शक्ति बढ़ाने वाली राधे राधे
कन्हैया को ये नाम–
राधा किसन की दीवानी है, प्रेम की अमर कहानी है
रानी नहीं महारानी है, **'नन्दू'** राधे जू वरदानी है
पात्रता देती है, आर्त्तता हरती है,
भव के बन्धन हरे – भाव की ज्योति है
जपना है नाम श्री राधे राधे – दिल में बसाले श्री राधे राधे
कन्हैया को ये नाम –

तर्ज : पल्लो लटकै...

श्याम आयो है जी बाबा श्याम आयो है।
कि मिलबा–2 भगताँ सूं साँवरिया प्यारो आज आयो है॥

लीलै रो असवार साँवरो, लीलै चढ़कर आयो,
भगतां रो भीड़ी साँवरियो, भगतां खातिर आयो,
श्याम कै–2 मोरछड़ी है हाथ, साँवरो छड़ी घुमायो है।
श्याम आयो है...

अटक्या सारा काम बणैगा, इब जाचो जचं ज्यासी,
श्याम महर नै देख–देख, सारी दुनियां भागी आसी,
कि ऐसो–2 परचो मेरो साँवरियो सरकार दिखायो है।
श्याम आयो है...

चमत्कार नै नमस्कार, या रीत सदा सूँ गाजी,
कलयुग मं तो इसी रीत कै, हाथां सौवे बाजी,
कि **'नन्दू'**–2 सेठ साँवरों या ही रीत निभाणै आयो है।
श्याम आयो है...

तर्ज : हम तुम्हे चाहते हैं....

श्याम ऐसी कृपा बरसा दे,
हैं दीवाने तेरे, इन दिवानों से अँखियां मिला ले॥

बिन तुम्हारी महर ऐ कन्हैया,
कैसे संवरेगी ये–2
जिंदगानी मेरी समझा दे॥1॥

धन दौलत की किसको तमन्ना
मैं भिखारी तेरे–2
दर्शनो का तूँ दरशन दिखा दे॥2॥

मेरे दिल को लगन बस तुम्हारी,
'नन्दू' कुछ ना मिले–2
प्रेम गंगा में डुबकी लगा दे॥3॥

तर्ज : फूल तुम्हें भेजा है......

श्याम का ध्यान लगाले बन्दे, दो दिन की जिन्दगानी है।
जीवन तो निर्झर है बन्दे, भक्ति इसका पानी है॥

तोड़ के सारे बन्धन बन्दे, कीर्तन में तुम आ जाओ
परमानन्द मिलेगा तुमको, डुबकी जरा लगा जाओ
भजते भजते नाम प्रभुका, तर गए लाखों प्राणी हैं–
श्याम का ध्यान......
माना घर की जिम्मेदारी, हमको आज निभानी है
ये भी अपना फर्ज है प्यारे, वेदों ने भी बखानी है
ऐसे रहें हम जैसे रहता, कमल पात पर पानी है
श्याम का ध्यान......
तेरी मेरी करते करते – मन अपना कंगाल हुआ
क्या लेकर धरती से आया – यम पूछेगा सवाल वहां
लख चौरासी भटक भटक कर, मानुष काया पाणी है
श्याम का ध्यान.......
सम्हलें अगर ना पछताएँगे जब चिड़िया चूग जानी है
यहां की दौलत यहीं रहेगी अपने साथ न जानी है
श्याम नाम की सांची दौलत **'नन्दू'** साथ निभाणी है श्याम
श्याम का ध्यान.......

तर्ज : इस कदर तोड़ा मेरा दिल.....

श्याम के रंग में रंगा हूं मैं दीवाना श्याम का
मस्तियों में झूमता हूं पीके प्याला नाम का

सांवरे का रंग जिस पर चढ़ गया तो चढ़ गया
शान इस रंग की निराली सांवरे को जंच गया
लोक और परलोक सुधरा–जो बना घनश्याम का
मस्तियों.......॥ १॥

सांवरे का रंग प्यारा, रंग ये ऐसा खिले
लाख कोई करले कोशिश, रंग दूजा ना चढ़े
रंग दूजा गर चढ़ा तो, रंग ये किस काम का
मस्तियों...........॥ २॥

श्याम की कजरारी अँखियों, में गजब की धार है
रस भरे अधरों से छलकै, सांवरे का प्यार है
नैणों से नैणां मिला फिर, देख जादू श्याम का
मस्तियों.........॥ ३॥

राज जो समझा है मैंने, राज सबको कह दिया
कोई समझे या न समझे, इसमें मेरा क्या गया
'नन्दू' करनी जग की सेवा, धर्म है इस दास का
मस्तियों......॥ ४॥

श्याम के दीवाने आए, श्याम को रिझाने
श्याम को रिझाने, घनश्याम को रिझाने ....टेर

होठों पे लेके तराना, झूम झूम गाए दीवाना
रीझेगा कैसे नहीं ये, आता है इनको रीझाना.....
श्याम के दीवाने .....

गाते बजाते रिझाते, मोहन के दिल को लुभाते
ऐसे दीवानों से मोहन, कब तक निगाहें चुराते ...
श्याम के दीवाने .....

इनको ना कोई फिकर है, इनका निराला जिगर है
ये मुडके पीछे क्यूँ देखें, मोहन की इनपे नजर है....
श्याम के दीवाने.....

भगतों के वश में है मोहन, देखो निभेगी ना अनबन
मोहन ने हँस के जो देखा, **'नन्दू'** मिटी सारी उलझन..
श्याम के दीवाने......

श्याम खाटू वाले कृपा करदे
बाबा खाटू वाले कृपा करदे
कृपा करदे, कृपा करदे
मोहन मुरली वाले कृपा करदे

तूं ही सरकार मेरा तूं ही सरताज मेरा
तूं ही अंजाम मेरा, तूं ही आगाज मेरा
भक्तों के पियारे, कृपा करदे... **बाबा खाटू वाले..**

तूं ही श्रृंगार मेरा तूं ही रखवार मेरा
तूं ही आधार मेरा, तूं ही पतवार मेरा
भक्तों के सहारे कृपा करदे... **बाबा खाटू वाले..**

मैं तो नचीत मोहन, तूं ही हमारा जीवन
हर पल बढ़ता ही जावे, मेरी निष्ठा का बंधन
'नन्दू' कुछ न मांगे, कृपा करदे..**बाबा खाटू वाले..**

तर्ज : हुश्न वाले तेरा जवाब...

श्याम तुझसे हमारी अरजी है
कभी हमसे खफा नहीं होना–श्याम तुझसे

हम हैं इन्सान सांवरे सुनले
गल्ती इन्सान की तो फितरत है
हम हैं अज्ञानता के घेरे में
भूल अज्ञानता की फितरत है
आप तो ज्ञान के समन्दर हैं,
आप अपने से तौल मत लेना॥ टेर॥

प्रेम तुमसे किया प्रभु हमने
प्रेम की रीत पर नहीं जाने
जिन्दगी आप बिन अधूरी है
हम तो जाने तो बस यही जाने
आपका प्यार दिल की धड़कन है
दिल से धड़कन को मत जुदा करना॥टेर॥

रूप ऐसा बसा है नयनों में
ओर कुछ अब नजर नहीं आता
ध्यान हमको तो बस तुम्हारा है
मन मेरा गीत भी तेरे गाता
'नन्दू' तेरा प्रभु दीवाना है,
इस दिवाने की आरजू सुनाना॥ टेर॥

श्याम तुम्हारे खाटू में, रोज ही मेला लगता है।
अरजी सबकी सुनता है, न्याय सभी से करता है॥

रंग–बिरंगी भांत–भांत की, सजी दुकानें खाटू में,
मिलने लगी हर चीज जो चाहो, ले लो आकर खाटू में,
आया गांव नगर, बूढ़े–बालक नर, कोई लम्बी धोक लगाता है
श्याम ॥ १ ॥

मोहन से वरदान मिला था, घर–घर पूजे जावोगे,
दीन–दुखी की पीड़ हरोगे, सबके कष्ट मिटाओगे,
पहूँचा जो यहां, सजा उसका जहाँ, तूँ सबकी झोली भरता है।
श्याम ॥ २ ॥

निर्बल को बल देकर तुमने, निर्धन को धनवान किया
जिसने तुमको दिल से भजा उसे, दुनियां में सम्मान दिया
करता जो भजन, हो दिल से मगन, तूँ साथ तो उसके रहता है...
श्याम ॥ ३ ॥

'नन्दू' दिल से करे प्रार्थना, मेरी भी भगवान सुनो,
जनम–जनम का चाकर रख प्रभु, मेरा भी उद्धार करो
कर माफ खता, मुझे इतना बता, तूँ क्या क्या लीला करता है....
श्याम ॥ ४ ॥

तर्ज : बाबुल तेरी बगिया.....

श्याम तेरे भगतों को तेरा ही सहारा है
तेरा ही सहारा है, तेरा ही सहारा है श्याम तेरे...

आशा निराशा ने, घेरा परेशान हूँ
कैसे बचूं इनसे, आखिर तो इन्सान हूँ
तेरी दया के बिना, अपना ना गुजारा है–**श्याम तेरे.......**

मालिक तेरे जग का, अन्दाज निराला है
भगतों को पीना पड़ा यहाँ जहर का प्याला है
पर वो कभी ना डरे, जिन्हें साथ तुम्हारा है–**श्याम तेरे...**

किसको कहें अपना, अपने भी बेगाने हैं
फुरसत नहीं इनको, मतलब के दिवाने हैं
प्रेमी से अपने मिला, जो तुझको दुलारा है–**श्याम तेरे...**

मीत बनो मेरे, हमें तेरी जरूरत है
अपनों की खातिर सुना, तुम्हें फुरसत ही फुरसत है
'नन्दू' तेरी खातिर, किया सबसे किनारा है–**श्याम तेरे.**

श्याम थारै द्वार थानै दास पुकार है।
या अरज गुजारै है॥

जाणो थे मनमोहन, हर बात घटघट की, के थासूँ छानी है,
याद भी कोन्या, अपकर्म रो खातो, करी मनमानी है,
अब तो साँवरिया–2 सेवक थारै ही हवालै है।
या अरज गुजारै है....

द्यो सजा बाबा, थे आज जी भरकर झूक्यो यो शीश है,
तारो ना तारो, प्रभु हाथ मं थारै, मेरी तफतीश है,
जाण तेरो उपहार–2 हंस कै दास सीकारै है।
या अरज गुजारै है....

हर बात सहलूँगा, पर सांवरा थारी, नाराजी ना सहूँगा,
हे पतित पावन, उद्धार कर मेरो, मैं थानै नित भजूँगा,
करल्यो थोड़ो प्यार–2, **'नन्दू'** शरण तिहारे है।
या अरज गुजारै है....

तर्ज : आप जिनके करीब....

श्याम दरशन जरा दिखा जाओ
दिल की कुटिया में मेरी आ जाओ श्याम दरशन...

मैंने कुटिया बहुत सजाई है...२
खुशबू अपनी जरा लुटा जाओ...**दिल की...**(१)

खातरी तेरी सांवरे होगी...२
भाव दिल के जरा जगा जाओ...**दिल की..**(२)

कुछ कहेंगे कुछ सुनेंगे तेरी...२
हमको मदहोश तो बना जाओ....**दिल की...**(३)

दिल की कुटिया में कुछ कमी तो नहीं–२
गर कमी है, कमी पूरा जाओ...**दिल की...**(४)

दिल की कुटिया करीब है तेरे–२
तुम जरा से करीब आ जाओ...**दिल की..**(५)

'नन्दू' हर हाल में तुम्हें चाहे...२
प्रेम ऐसा प्रभु लगा जाओ.... **दिल की...**(६)

तर्ज : कन्हैया ले चल परली पार....

श्याम म्हानै एक तेरो आधार–2
दूर खड़े क्या देख रहे हो,
सांवरिया सरकार....श्याम म्हानै

मैं तो हूँ कागज़ की नैया
ना कोई मांझी, ना है खिवैया
बन नाविक प्रभु नाव सम्हालो, क्यों छोड़ी मझधार....**श्याम म्हानै**

मुझको न आवै पूजा अर्चन
श्याम करूँ क्या तुझको अर्पण
मैं तो बस चरणों का सेवक, तूँ ही प्राण आधार....**श्याम म्हानै**

तेरे दरस को तरस रहें हैं
नैण निगोड़े बरस रहें हैं
निश दिन करते याद तुम्हें हम, तुम भूले सरकार....**श्याम म्हानै**

कई जन्म लिए तुझको न पाया
'**नन्दू**'अबकी मन भर आया
जन्मों की परवाह नहीं मुझे, गर तूं खेवनहार....**श्याम म्हानै**

तर्ज : आज मेरे यार की शादी....

श्याम म्हानै क्यूँ तरसावै है–
चैन नहीं दिन रैण नैण, आँसू ढलकावै है... श्याम..

आस है मन मैं भारी, मिटेगी चिन्ता सारी
श्याम सब काम बणावै, छुपी ना पीड़ा म्हारी
बुझ न पावै दीप, दास को मन घबरावै है
श्याम म्हानै.........

श्याम क्यूँ देर लगाई, दास कै नहीं समाई
कालजो भर–भर आवै, कठे हो श्याम कन्हाई
सांचो है दरबार तेरो, सब लोग बतावै है
श्याम म्हानै.........

प्रीत की रीत निभाणो, सुणी थे आच्छी जाणो
प्रीत का प्रेमी दिलवर, प्रीत को दर्द पिछाणो
कैसी प्रीत की रीत तेरी, कुछ समझ न आवै है
श्याम म्हानै.........

श्याम बेगो सो आजा, दास की लाज बचाज्या
म्हें तो बालकिया थारा, नाथ इब आन निभाज्या
आकर करो सहाय, श्याम '**नन्दू**' सिर नावै है
श्याम म्हानै..........

श्याम प्यारे मुरलिया सुनादे
अपनी मुरली पे हमको नचादे

बड़ी प्यारी है ये, जादूगरी है ये
मतवारा करे, मतवारी है ये
ये तो देवों का दिल भी चुराले
अपनी मुरली..........

है दीवाने तेरे, मस्ताने तेरे
तू है शम्मा तो हम परवाने तेरे
मन के तारों को तूं, झनझनादे
अपनी मुरली...........

माफ करदे खता, हमको मत ना सता
आ भी जा सांवरे, आ भी जा, आ भी जा
भूल सारी हमारी भूलादे
अपनी मुरली.........

सारे मदहोश हैं, ना कोई होश है
तुझसे मिलने का कान्हां, जगा जोश है
'**नन्दू**' विनती है चिलमन उठा दे
अपनी मुरली..........

तर्ज : रामजी चले ना हनुमान के बिना...

श्याम प्रभु का ध्यान करों
कीर्तन में मत बात करों

कीर्तन में प्रभु आते हैं
अपनी कृपा लुटाते हैं
किरपा का सम्मान करो–**कीर्तन में मत बात करों**.....

बातों में फंस जाओगे
अपना आप गंवाओगे
जीवन का कल्याण करो–**कीर्तन में मत बात करों**.....

जब तकदीर चमकता है
कीर्तन प्रभु का मिलता है
मन को लगा गुणगान करो–**कीर्तन में मत बात करों**....

मौसीजी श्रृंगार करे
'**नन्दू**' प्रभु का ध्यान धरे
भजनामृत का पान करो – **कीर्तन में मत बात करों**....

श्री श्याम भजन

तर्ज : जानें क्यूं लोग.....

श्याम भजनों में, मन मेरा लागा,
श्याम भजनों से, भाग्य मेरा जागा,
श्याम के भजनों में मन मेरा मगन रहता है।

भव सागर है गहरा, किनारा पा नहीं सकता
गर श्याम का साथ न हो सहारा पा नहीं सकता
कौन खेवैया – मझधार नैया
क्यूं भटकते हो – गम में जलते हो
सौंप सब श्याम को – भजले बस नाम को
माया उसकी वो ही जानें – भला जो करता है–टेर...

ओ सांवरिया सरकार मधुर वंशी से सुर दे दो
गीतों के खजाने से, तेरे कुछ गीत मुझे दे दो
तुझको सुनाऊँगा – गाकर रिझाऊँगा
गीत ही है मेरे, श्याम की अर्चना
गीत ही है मेरे श्याम की वंदना
मन तो बस सुनने सुनाने को विकल रहता है–टेर....

मैं जब भी गाऊँ श्याम, प्रेम से गीत तेरे कोई
चुपके से सुन लेना, मन में ना बात बची कोई
सुनले कन्हैया – वंशी बजैया
श्याम के गीत बिन, सुनी है जिन्दगी
गीत गाना मेरे – प्रभु की वन्दगी
'नन्दू' रम जाए चरणों में भला ये नाता हे–टेर..

श्री श्याम भजन

तर्ज : मत भूलो श्री श्याम नाम...

श्याम बहादुर नमन आपको, आपने ऐसा काम किया।
श्याम प्रभु की राह दिखाकर, कितनों का उद्धार किया॥

आलूसिंह, श्री काशीराम के दिल में ज्योत जगाई थी,
शिवचरण को भजन भाव की, सुन्दर राह दिखाई थी,
श्याम बहादुर इन भक्तों ने, भक्ति को सन्मान दिया।
श्याम प्रभु की...

प्रभु लोक में विचरण करते, भक्त धरा पर आए हैं,
अनुपम पावन इस बेला पर, अपना प्रेम लुटाए हैं,
श्याम प्रभु की सुन्दरता को, और भी सुन्दर बना दिया।
श्याम प्रभु की...

धन्य-धन्य है पावन धरती, धन्य-धन्य है खाटूधाम,
धन्य-धन्य बाबा के प्रेमी, जिनके वश में रहते श्याम,
श्याम बहादुर शिव बगिया का, हमको अनुपम ज्ञान दिया।
श्याम प्रभु की...

सभी पधारे भक्तजनों से, करे प्रार्थना हम सारे,
ऐसा जला दे दीप भक्ति का, हम भी बने प्रभु के प्यारे,
'नन्दू' आज कृपा का दिन है, दामन हमने बिछा दिया।
श्याम प्रभु की...

श्री श्याम भजन

तर्ज : परदेशी परदेशी...

श्याम बाबा, श्याम बाबा कृपा करो
इस दास पर इस दास पर
श्याम पियारे दास पुकारे,
भक्तों की नैया बाबा तेरे ही सहारे॥ श्याम बाबा..

मोह माया के जाल में ऐसे जकड़े हैं – जकड़े हैं
काम क्रोध मद लोभ के पाए पकड़े हैं
कैसे निकले बाहर रस्ता भूल गए – भूल गए
फन्दों ही फन्दों में हम तो झूल गए
श्याम पियारे दास पुकारे...

हम गल्ती पर गल्ती भगवन करते हैं– करते हैं
लेकिन फिर भी प्रेम तुम्हीं से करते हैं
ज्ञान दीप पर अंधियारों के डेरे हैं – डेरे हैं
काले काले बादल हमको घेरे हैं
श्याम पियारे दास पुकारे...

तेरी दया से तेरी ज्योत जगाई है– जगाई है
पूर्व जन्म की पूंजी सामने आई है
ऐसा वरदे श्याम तेरे गुण गाएं हम–गाएं हम
'नन्दू' मंजिल श्री चरणों की पाएं हम
श्याम पियारे दास पुकारे...

श्री श्याम भजन

तर्ज : चांदी जैसा रंग है तेरा...

दोहा – टूटी की बूंटी नहीं, तो भजले नन्द कुमार।
श्याम सलौणे थाम ले, आकर के पतवार॥

श्याम नाम के भजने से हो जाए बेड़ा पार।
सच्चा नाम प्रभु का बन्दे, भजले आठों याम॥

श्याम नाम की महिमा भारी, कहते भक्त अनेक,
श्याम नाम विपदा को टारे, राखे जग में टेक,
श्याम नाम को भजले तेरा, जनम सफल हो जाए,
जिसने भजा श्रीश्याम नाम को, मिला उन्हें हरिधाम।
सच्चा नाम... (1)

गज, अजामिल, गणिका तर गए, लेके नाम सहारा,
मीरा ने जब टेर लगाई, आकर उसे उबारा,
द्रोपदी की आवाज पे कान्हा, पल में चीर बढ़ाए,
भक्त प्रह्लाद की जान बची, जब लिया हरि का नाम।
सच्चा नाम... (2)

सतयुग में तो तप से भाई, होते विरले पार,
त्रेता और द्वापर में बन्दे, यज्ञ ने दिया उबार,
कलियुग में तो महामंत्र, हरिनाम है वेद बताय,
'नन्दू' नन्दकिशोर को ध्याले, उर धर श्याम का नाम।
सच्चा नाम... (3)

तर्ज : बहुत प्यार करते है....

श्याम सजन मेरे श्याम सजन,
दर्शन को तेरे तरसे नयन॥

सपनों की दुनियां में मिलना हमारा,
बहुत हो गया अब, दिल ने पुकारा,
खुली ऑख देखूं, लागी लगन...**श्याम**॥1॥

बंधन ये कैसा नजर ही न आवे,
किस डोर से तूं मुझको नचावे,
मुस्कान तेरी बनी है चुभन...**श्याम**॥2॥

मैं तो कन्हैया, प्रेम में अनाड़ी,
तुम हो कन्हैया, प्रेम के खिलाड़ी
मिलने का हमको बतादे जतन...**श्याम**॥3॥

तुम्हें ढूंढ पाना बस में नहीं है,
तुम्हारा ठिकाना एक तो नहीं है,
''नन्दू'' थका मैं कान्हां, कर ले मिलन...**श्याम**॥4॥

॥ पीपली ॥

श्याम सलूणा थे ही म्हारी जिन्दगी जी,
ए जी म्हान थां विन कुछ ना चैन,
कस कर बांधो प्रीत की डोरड़ी जी।

रूप संलूणो नैणां रच गयो जी,
ए जी म्हारा थांसू लड़ गया नैण,
हर पल रीज्यो नैणा री कोटड़ी जी।

प्रेम विरह को दुखड़ो के कहाँ जी,
ए जी म्हारा सूखा पड़ गया बैण,
छटपट तड़पै मनड़ री मोरड़ी जी।

थारी महर बिन नैया, ना चलै जी,
ए जी थे तो समझो, अंसूवन सैण,
'नन्दू' आदत पड़ गई खोरड़ी जी।

तर्ज : तुम सग प्रीत लगाई....

दोहा : कृपा भई श्री श्याम की दिन्ही मिनखा देह
छोड़ कपट जंजाल सब आज लगाले नेह

❁ ❁ ❁

श्याम से नेह लागले मनुआ मनुआ हो श्यामा।
कीर्तन उनके गले मनुआ मनुआ हो श्यामा॥

जनम जनम मुनि जतन करावा
अंत श्याम मुख आवत नाहा
करत करत अभ्यास ते बंदे–2 जड़मति होहीं सुजान मनुआ
श्याम से नेह...

मानष तन मुश्किल से मिलता
प्रभु से नाता यूँ ही न जुड़ता
दुनियाँ के सब नाते झूठे –2 सच्चा साथ प्रभु का मनुआ
श्याम से नेह...

गर प्रभु का तुम दर्शन चाहो
जंह कीर्तन हो वहाँ चले आओ
कीर्तन में तो प्रभु है आते–2 क्षीर सागर तजकर मनुआ
श्याम से नेह...

प्रभु मुझको अब शरणे लीज्यो
निज सुत जान माफ सब कीज्यो
नाथ हृदय में बास करो अब–2 **'नन्दू'** अरज गुजारे मनुआ
श्याम से नेह...

॥ सहारा ॥

श्याम श्याम बोल, सहारा मिलेगा
सहारा मिला तो, किनारा मिलेगा–टेर

अनजान राहें, तूँ राही अकेला
मत ना फँसो, देख दुनियां का मेला
कोई ना संग में, तुम्हारे चलेगा–
श्याम श्याम बोल.....

कुछ तो समझले, कहाँ तेरी मंजिल
मंजिल बिना, जिन्दगी बड़ी मुश्किल
मुश्किल को आशां, कन्हैया करेगा–
श्याम श्याम बोल.....

करके भरोसा, प्रभु को मनाले
करके विनय, प्रेम भगवन का पाले
आँखों से माया का पड़दा हटेगा–
श्याम श्याम बोल.....

लाखों हैं किस्से, प्रभु की कृपा के
चलती है दुनियां, प्रभु की दया से
'नन्दू' जो भूला, भंवर में फंसेगा–
श्याम श्याम बोल.....

श्री श्याम भजन

तर्ज : फूल तुम्हें भेजा है खत में...

श्याम हमारी पूजा अर्चन किरपा कर स्वीकार करो
भगवन मेरे, दर पे तेरे, आए हम उद्धार करो
श्याम हमारी........

ना पूजा का थाल सांवरे ना अक्षत ना चन्दन है
मौन खड़ा कर जोड़ निहारूं अर्न्तमन हरिवन्दन है
श्रद्धा सुमन नीर नयनों का हे मालिक स्वीकार करो
श्याम हमारी.... ....

मन मन्दिर में ठाकुर बसजा, दरशन पाऊँ जी भरके
करले अरज कबूल सांवरा जाना ना कभी तज करके
नित तेरा गुणगान करूँ मैं सपने को साकार करो
श्याम हमारी........

बंशी की वो मधुर रागिनी आकर श्याम सुना जाओ
व्याकुल हैं प्रभु प्राण हमारे, आकर धीर बन्धा जाओ
'नन्दू' के नन्दलाल कृपाकर दे दर्शन सब पीड़ हरो
श्याम हमारी........

श्री श्याम भजन

तर्ज : पिया पिया ना लागे मोरा...

श्यामा श्यामा बसन्ती उत्सव आया, देख दरबार निराला।
भगत होकर मतवाला, झूम रहा जी दरबार में।।
श्यामा...

चुन चुनकर फूलड़ा ल्याया, थारा कंचन हार बणाया,
प्यारा सिणगार सजाया, म्हें निरख अति हरषाया,
सिणगार सजाया-अति हरषाया, रूप रसीला प्यारा हो।
श्यामा...
म्हारा छैला कृष्ण मुरारी, म्हें जावां वारी–वारी,
थे सांचा लखदातारी, खाटू का श्याम बिहारी–2
लखदातारी–श्याम बिहारी, भगतां रै मन भाया ओ।
श्यामा...
सब गावै फाग बसन्ती, मन रंग्यो है रंग बसन्ती,
लाग्यो दरबार बसन्ती, थारी जय जयकार बसन्ती,
दरबार बसन्ती-जयकार बसन्ती, भजन बसन्ती प्यारा हो।
श्यामा...
रंग लाग्यो कदे ना छूटे, मन सब दिन सुख यो लूटै,
थे ऐसो रंग चढ़ाद्यो, भगतां की आश पुराद्यो,
रंग चढ़ाद्यो-आश पुराद्यो, गावै गुण **'नन्दू'** थारा हो।
श्यामा...

श्री श्याम भजन

तर्ज : दीवाने है दीवानों को ना....

श्याम श्री श्याम श्री श्याम श्री श्याम।
कितना है प्यारा प्रभु तेरा नाम-प्रभु तेरा नाम॥

सुना जो नाम मीरा ने तेरा प्रभु, तेरा प्रभु,
दीवानी बनी तेरी वो जोगन प्रभु, जोगन प्रभु,
संसार से मन उचटने लगा, तेरे प्यार को मन तरसने लगा।
श्याम श्री श्याम...

है जादू भरा नाम तेरा प्रभु, तेरा प्रभु,
भूला देता दुनियां के दुखड़े प्रभु, दुखड़े प्रभु,
तेरा नाम जिसने लिया सांवरे, मस्ती के रथ पे चढ़ा सांवरे।
श्याम श्री श्याम...

तेरे नाम में ऐसी शक्ति प्रभु, शक्ति प्रभु,
तेरे नाम में ऐसी भक्ति प्रभु, भक्ति प्रभु,
पत्थर भी बन फूल तरने लगे, गूंगा भी **'नन्दू'** ये जपने लगे।
श्याम श्री श्याम...

श्री श्याम भजन

शरण श्याम की ले ले, तेरे मिट जाएं सारे झमेले
कलयुग में देव निराला , मेरा बाबा खाटूवाला
दो घूंट नाम की पीले, तेरे मिट जाएं सारे झमेले

देव दयालू श्याम हमारा
शरणागत को तुरन्त उबारा
बाबा की राह पकड़ले,तेरे मिट जाएं सारे झमेले
शरण श्याम की......

दीन दुखी हारे का सहारा
मां का वचन कभी ना टारा
दर पर जाय पसरले, तेरे मिट जाएं सारे झमेले
शरण श्याम की......

भक्तों पर करुणा करते है
भजन भाव प्यारे लगते हैं
'नन्दू' श्याम सुमरले, तेरे मिट जाएं सारे झमेले
शरण श्याम की......

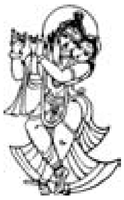

तर्ज : आजा आजा श्याम...

शाम ढ़ली पर श्याम ना आए
मुरली वाले – क्यूं तरसाए .....शाम ढ़ली

सुंदर सलौना मुखड़ा, कब तूँ मुझे दिखलाएगा
इतना बता निर्मोही, कब तक मुझे बहलाएगा
अंधियारी काली रातें –2, दिल भरमाए....**शाम ढ़ली**

प्रीत तुम्हारी झूठी, झूठा तुम्हारा रूख जोड़ना
सीखा है किससे तुमने, प्रेमी जनों के दिल को तोड़ना
तेरे बिना सांवरिया–2, कुछ ना सुहाए .....**शाम ढ़ली**

यमुना के तट पर बैठी, नैणां लगे हैं तेरी राह पे
सब कुछ भुलाया मैंने, प्यारे तुम्हारी एक चाह में
'नन्दू' ये दिल मनमोहन–2 धीर गंवाएं ......**शाम ढ़ली**

तर्ज : हरि बोल हरि बोल....

श्री श्याम श्री श्याम श्री श्याम,
जय जय खाटूपति बाबा श्याम

मेरे नयनों में तू ही बसे
तुझे देखूं तो दिल ये कहे
श्री श्याम श्री श्याम......

नाप तेरा जपूं सांवरे
ध्यान तेरा करुं सांवरे
श्री श्याम श्री श्याम........

तेरी सेवा हमेशा करुं
सत्कर्मों के रस्ते चलूं
श्री श्याम श्री श्याम.........

'नन्दू' दिल की तमन्ना यहीं
मैं रहूं श्याम रहता वहीं
श्री श्याम श्री श्याम........

तर्ज : उद्धार करो उद्धार करो...

श्री श्याम तुम्हारे चरणों में, एक बार ठीकाना मिल जाए
मैं जनम जनम गुण गाऊंगा, जीवन की बगिया खिल जाए

भटको को राह दिखाते हो
हारे का साथ निभाते हो
मैं हार गया खुद से भगवन,
मुझे तेरा सहारा मिल जाए – **मैं जनम जनम**.....

बिन तेरे सहारे सांवरिया
कोई खुद से नहीं लड़ सकता है
तू जिस पर महर करै भगवन
वो जग में निर्भय हो जाए – **मैं जनम जनम**.....

'नन्दू' कलयुग का जोर प्रभु
प्राणी को बहुत सताता है
ऐसा विश्वास भरो दिल में,
सत्मार्ग प्रभु हमें मिल जाए–**मैं जनम जनम**.....

तर्ज : श्री श्याम पियारे आ....

श्री श्याम सहारा तेरा है, नन्द लाल सहारा तेरा है
मैं तेरा हू तू मेरा है–2 श्री श्याम सहारा तेरा है

मन मंदिर श्याम निवास करो
अन्तस्थल दिव्य प्रकाश भरो
छाया चहूँ ओर अंधेरा है–2 **श्री श्याम सहारा** ....

मन मेरा भगवान घड़क रहा
शोला भड़के ज्यूं भड़क रहा
ये घेरा कैसा घेरा है–2 **श्री श्याम सहारा** ....

हे आत्मदेव हे अविनासी
हे कष्ट निवारक सुखरासी
तुझसे ही मेरा सवेरा है–2 **श्री श्याम सहारा** ....

परमेश्वर इतनी महर करो
श्री चरणों से मत दूर करो
'नन्दू' चरणों का चेरा है–2 **श्री श्याम सहारा** ....

तर्ज : श्री श्याम सहारा बन.....

श्री श्याम हमें दरशन दीजे
अब और परीक्षा ना लीजे.... श्री श्याम

हम तेरी शरण में आए हैं
दरशन की आशा लाए हैं
अब अपना हमें बना लीजे.... **श्री श्याम**

तुम्हें छोड़ कहीं ना जाऐगे
हम जनम जनम गुण गांऐगे
अपराध मेरे बिसरा दीजे.... **श्री श्याम**

भगवत वत्सल उद्धार करो
करुणा कर दीन दयाल प्रभो
अपनी करुणा बरसा दीजे.... **श्री श्याम**

'नन्दू' अज्ञान मिटा भगवन
मिलने की राह बता भगवन
मन तड़प रहा धीरज दीजे.... **श्री श्याम**

॥ श्री श्याम धुन ॥

श्री श्याम पियारे आ जाओ–घनश्याम पियारे आ जाओ।
भक्तों के सहारे आ जाओ–भक्तों के पियारे आ जाओ॥

मन मन्दिर सूना–सूना है,
बिन तेरे कैसा जीना है,
जीवन को सजाने आ जाओ।
श्री श्याम पियारे... ...

हम तेरे दरश को, तरस रहे,
नैणा सावन से, बरस रहे,
प्रभु नयन मिलाने आ जाओ।
श्री श्याम पियारे... ...

हम तेरी शरण में आए हैं,
'नन्दू' कलि के भरमाए हैं,
विश्वास बढ़ाने आ जाओ।
श्री श्याम पियारे... ...

तर्ज : तेरा जादू ना चलेगा...

श्री श्याम नाम तूं गाले, जीवन सफल बनाले,
जय जय श्याम, श्री श्याम, जय जय खाटू वाले श्याम-2

श्याम नाम की लूट मची, लूटे किस्मत वाला,
पनघट पर प्यासा घूमे, विधना खेल निराला,
ले नाम तूँ प्यास बुझाले... **श्री श्याम नाम...**(1)

श्याम नाम अति पावन है, पाप तेरे हर लेगा,
कुन्दन सा अन्तर निखरे, प्रेम का रंग चढ़ेगा,
भूखा प्रेम का है, श्याम रिझाले... **श्री श्याम नाम...**(2)

श्याम सलौने पास तेरे, दूर कहीं क्यूँ जाए,
देख लगाकर गोता तो, नाम में दर्शन पाए,
होज्या मस्त इब टेर लगाले... **श्री श्याम नाम..**(3)

श्याम दरस तुझे मिल जाए, काहे नैण चुराए,
आफतकाल का ये साथी, दूजा काम ना आए,
'नन्दू' श्याम से प्रेम बढ़ा ले... **श्री श्याम नाम..** (4)

तर्ज : स्वर रचित

शुरु हो गया मंदिर बनना, ओ बाबा के प्यारो
मत चूको अब तन मन धन ले, खाटूधाम पधारो

बाबा के मन में आया, इब मंदिर बड़ा बनेगा
हर भक्तों को बाबा से, मिलने का वक्त मिलेगा
इष्ट मित्र को खबर करो, और तुम भी सोच विचारो....**मत चूको....**

किस्मत से अवसर आया, अवसर का लाभ उठालो
तन मन धन की सेवा खातिर, अपना नाम लिखालो
खरी कमाई करके अपना, जीवन आज संवारों....**मत चूको....**

गोपीनाथ बजरंगबली ने, मारग सुलभ बनाया
खाटूधाम के हर प्राणी में, अनुपम जोश जगाया
जय जय बाबा श्याम धणी, **थानै समझै समझन वारो..मत चूको...**

मकराने के मंदिर पर जब ध्वजा लहर लहरेगी
सच कहता हूँ **'नन्दू'** दुनियां मस्ती में झूमेगी
कलयुग को है देव श्याम, भगतां को है रखवारो....**मत चूको..**

श्री श्याम भजन

तर्ज : ये दुनिया तेरी...

दोहा–सांवरिया सरकार को आज रूप है न्यारो
कैसे सम्हालूं हिवडे नै, यो बन गयो श्याम तुम्हारो

❋❋❋

सजधज कर बैठ्यो, सांवरियो यो बैठ्यो–बैठ्यो मुस्कावै
चलो नजर उतारां बाबा की–२, कहीं आज नजर ना लग जावै

मन भावन प्यारी झांकी है
या चितवन बाँकी – बाँकी है
नैणा सूं नैण मिले ज्युँ ही–२
कोई हुक कालजै बल खाव... सजधज...

होठां रो रंग सुरंगो है
यो बागो भी पचरंगो है
ई मुकुट मणिरी आभा सूं–२
प्रेम्यां रो मनड़ो ललचावै... सजधज...

लीलो सेवा मं हाजर है
बाबा रो प्यारो चाकर है
जद श्याम धणी कोई हुकुम करै–२
पगल्यां रा घुंघुरू झमकावै... सजधज...

जी भर कर प्रभु का दरश करां
इणकै चरणां मं शीश धरां
'नन्दू' खेवट मझधारां रो–२
मिल जुल कर पार उतर जावै... सजधज...

सबको मालुम है मैं भिखारी नहीं
हाथ दर पे जो फैले तो, मैं क्या करूँ
खाटू वाला बड़ा दानी, दयावान है
भीख मुझको वो दे दे तो, मैं क्या करूँ

बाबा तेरी सुनेगा तूँ ये जान ले
सबकी सुनता है दानी तूँ ये मानले
तूँ दिल से मना के तो देख बावरे–3
कोई दिल से न मांगे तो, मैं क्या करूँ... **खाटूवाला....**

सच्चा दरबार है अरदास करो
काम तेरे बनें विश्वास करो
अपनी नैया को बाबा के हवाले करो–3
कोई कहना न मानें तो मैं क्या करूँ...**खाटूवाला...**

श्याम दरशन को खाटू धाम चलो
श्याम बाबा का तुम जयकारा करो
श्याम जयकारा सब कष्ट हारक है–3
कोई जय भी न बोले तो मैं क्या करूँ.... **खाटूवाला....**

'नन्दू' की ये अरज सुन ओ सांवरे
सबकी विपदाएँ काटो ओ श्याम सांवरे
खाटूवाले तूँ सब पर महर करो–3
कोई दर पे न आवे तो मैं क्या करूँ.... **खाटूवाला...**

सम्हालो कन्हैया दया कर सम्हालो।
उलझन से हमको आकर निकालो॥

चलना है मुझको उन राहों पे
मिलती हैं जाकर जो तेरी बाहों से
टेढ़ी डगर है लम्बा सफर है
बनकर साथी, साथ निभाओ
सम्भालो कन्हैया....

मैं सेवक तूँ मेरा है स्वामी
सेवक की तुमने हर बात मानी
तुझको पुकारूं राह निहारूं
बाहें पकड़ मेरी श्याम बचालो
सम्भालो कन्हैया....

अगर तुमने फेरी हमसे निगाहें
बदलेगी हमसे सबकी निगाहें
मत ले परीक्षा कर मेरी रक्षा
सेवक को अपने गले से लगा लो
सम्भालो कन्हैया....

करनी है मुझको बस तेरी सेवा
उब गया मैं दुनिया से देवा
'नन्दू' बताऊँ – दिलको दिखाऊँ
जख्मी हृदय से श्याम बचालो
सम्भालो कन्हैया....

सम्हालना सम्हालना सम्हालना सम्हालना
श्याम अपने प्रेमियों को, दिल से ना बिसारना
दिल से ना बिसारना– सम्हालना–4

जानते हैं श्याम आप, हम गरीबदास हैं
जानते हैं हम भी श्याम, आप दीनानाथ हैं
दीनबन्धु आपका तो काम है उबारना
काम है उबारना– सम्हालना–4

बनके माया के गुलाम, हम हुए हैं बावरे
चढ़ गया जिसे नशा, अक्ल से क्या काम ले
रोग ये बहुत बड़ा, रोग ये सुधारना
रोग ये सुधारना – सम्हालना–4

आपने ही सांवरे, माया को रचाया है
आपके सिवा इसे, कौन जीत पाया है
क्या औकात दीन की, सांवरे विचारना
सांवरे विचारना –सम्हालना–4

आपने करी कृपा जिसपे यहां सांवरे
जिंदगी में हर खुशी, मिली उसे है सांवरे
'नन्दू' जन्म दास का भी, सांवरे संवारना
सांवरे संवारना – सम्हालना–4

तर्ज : कुण सुणैलो.....

संसार में कोई तुझसा नहीं है।
तुझसा नहीं है कोई तुझसा नहीं है॥

जड़ में है तूँ प्रभु तूँ चेतन में
जल–थल–नव में तूँ कण–कण में
ऐसी जगह ना कोई–जहाँ तूँ नहीं है–**संसार**.....

खुद नहीं खाते, हमको खिलाते
खुद नहीं सोते, हमको सुलाते
नयनों से तेरे कोई–ओझल नहीं है–**संसार**......

सारे जग पे राज है तेरा
हर धड़कन में वास है तेरा
'नन्दू' गुजारा बाबा तुझ विन नहीं है–**संसार**...

तर्ज : तेरे प्यार में चलकर...

संसार को जी भर देख लिया, अब तुमको जी भर देखेंगे।
अब तक तो हमने जहर पिया, अब अमृत पीकर देखेंगे॥

कोई तुझसा सुन्दर श्याम नहीं,
तेरा एक नहीं प्रभु नाम कई,
तेरे नाम में कोई जादू है,
जादू के असर को देखेंगे। **अब तक तो... ...**

विष को अमृत कर देते हो,
पापों को तुम हर लेते हो,
कैसे तारे अनगिण पापी,
हम तेरे हुनर को देखेंगे। **अब तक तो... ...**

मैं खाली हाथों आया हूँ,
अपना आपा भी गंवाया हूँ,
'नन्दू' कहने को शब्द नहीं,
अब तेरी महर को देखेंगे। **अब तक तो... ...**

सदा श्याम श्याम पुकारा करेंगे
भजनों से जीवन निखारा करेंगे

तूं ही राम रानी श्री राम में है
तूं ही राधे रानी, श्री श्याम में है
तुम न सुनोतो, प्रभु ना सुनेंगे.....**सदा श्याम...**

तेरा रंग मेरे कन्हैया पे छाया
तेरा रूप मेरे रघुवर को भाया
अम्बर धरा को गुंजाया करेंगे.....**सदा श्याम...**

आकार पाकर बनें राम रामा
निराकार तुमसे बने श्याम श्यामा
शिवा शिव भी महिमा गाया करेंगे...**सदा श्याम..**

भजन कृपा से हमनें जाना
श्यामल श्याम रूप हिये आना
'नन्दू' कृपा बिन कैसे जिएंगें .....**सदा श्याम...**

तर्ज : करते है खुद को....

दोहा :–जब सारा आलम सोता हे, हम चुपके चुपक रोते हैं
अंखियों के अश्कों से रातों, हरि के चरणों को धोते हैं

❄ ❄ ❄

सरपर हाथ धरो ना, धरो ना मेरे श्याम पियारे
श्याम पियारे, प्राण हमारे–2
दर से दूर करो ना करोना मेरे श्याम पियारे

ना वैरागी ना सन्यासी, मैं तेरे चरणन की दासी
दुनियां शूल बिछौना, बिछौना मेरे श्याम पियारे
दर से दूर करो ....

चित चंचल मन शोर मचावै,अपने पराए कोई ना भावै
प्रीत हुई है खिलौना, खिलौना मेरे श्याम पियारे
दर से दूर करो......

ऐसी कृपा करदे सांवरिया, प्रेम प्रीत की बजे बांसुरिया
झूमै आगण कौना, कौना मेरे श्याम पियारे
दर से दूर करो......

प्रेम की गागर हर पल छलके, घर आँगन खुशियों से महके
'नन्दू' श्याम मिलौना, मिलौना मेरे श्याम पियारे
दर से दूर करो......

श्री श्याम भजन

तर्ज : ये मेरा प्रेम पत्र....

मसीहा कहूँ, या मेहरबां कहूँ
तुम्हें ओ प्राण प्यारे सांवरे, बोलो मैं क्या कहूँ

❋ ❋ ❋

सलौने सांवरे तेरे, दीवाने दर पे आए हैं
कृपा कर दे कृपा कर दे, कृपा कर दे–कृपा कर दे

दीवानों का दीवाना तूँ, प्रेम प्रेमी का जानें तूँ
समर्पण कर दिया जिसने, उसे अपना तो मानें तूँ
तेरा रिश्ता अटूट है, अनूठा तेरा प्यार है
तेरा प्यार है, तेरा प्यार है...... सलौने.......

यही विश्वास लेकर के, दीवानें दर पे आए हैं
संजो कर प्रेम दामन में, तुम्हारी भेंट लांए हैं
स्वीकारो प्रेम, प्रेमी का, हृदय की ये पुकार है
ये पुकार है, ये पुकार है......... सलौने........

तुम्हारी छत्रछाया में, हमें रखलो, हमें रखलो
हरो अज्ञान और अवगुण, हृदय गुणज्ञान से भर दो
करे 'नन्दू' चरण सेवा, दरश का इन्तजार है
इन्तजार है, इन्तजार है......... सलौने......

श्री श्याम भजन

तर्ज : नन्दरानी कन्हैया ....

दोहा : इधर भी ठाकुर उधर भी ठाकुर, ठाकुर ही सब खेल राचावे
ठाकुर की ठकुराई बढ़े जब, ठाकुर जीव को पार लगावै

❋ ❋ ❋

सारे ग्राथें का हमसे यही कहना–2
श्याम प्यारे की धुन में मगन रहना

वेदव्यास, शुकदेव, सूतजी बखाने
हानि लाभ– सुख दुख तो हैं आने जाने
प्रभु भक्ति सा–2, दूजा नहीं गहना॥ **श्याम प्यारे ....**

सुख बांटे सुख बढ़ाता ही जावै
दुख बांटे दुख और भी सतावै
दर्द दिल का–2 किसी से नहीं कहना॥ **श्याम प्यारे...**

ध्यान मगन हो बैठ चैन से
नैण मिला श्री श्याम नैण से
श्याम सुंदर से–2 रिश्ता जरा जोड़ना–2॥ **श्याम प्यारे..**

सतसंग गोविन्द का रसमय पसारा
भटके हुओं को जहां मिलता है किनारा
रसधारा में–2 'नन्दू' तनिक बहना–2॥ **श्याम प्यारे...**

श्री श्याम भजन

तर्ज : तेरी उम्मीद तेरा ...

सारी दुनियां के श्याम तुमसे काम चलते हैं
तेरे रूतबे को प्रभु हम, प्रणाम करते हैं

तेरी महिमा को मैंने जान लिया
तेरी शक्ति को मैंने मान लिया
तूँ अगर रूठे तो कयामत है
तेरे चरणों का मैंने ध्यान किया–2
तेरी किरपा को सभी देवता तरसते हैं– **तेरे रूतबे को.....**

मेरे जीवन की साधना तूँ है
प्यासे मन की तो कामना तूँ है
मैंने तुझको ही अपना समझा है
मेरे जजबात भावना तूँ है–2
हर घड़ी हम तो प्रभु, तेरा नाम जपते हैं– **तेरे रूतबे को......**

मेरे ख्वाबों को जिंदगी दे दो
मेरी रातों को रोशनी दे दो
'नन्दू' भगवन यही गुजारिश है
हाथ सर पर दया का तुम रख दो–2
यही अरदास प्रभु, बार बार करते हैं **तेरे रूतबे को.....**

श्री श्याम भजन

तर्ज : थारी कौड़ी लगे ना....

सांचो सांचो प्रभु को दरबार, मनसां पूरी करै।
देखो देखो तो आकर एक बार, मनसां पूरी करै॥

देव दयालू खाटू वालो, लखदातार कुहावै
सबनै बाबो अपणो समझै, सब पै दया बरसावै
इनकी महिमा है, अपरम्पार॥ **मनसा पुरी करै॥**

निर्बल को बल, निर्धन को धन देतो खाटू वालो
अपणे प्रेमी भगतां खातिर बणजातो रखवालो
भोला भगतां रो पालनहार॥ **मनसा पुरी करै॥**

एक ही सीख सिखावै बाबो, प्रेम सभी सै करणो
बणकर मोटो भगत जगत नै, छोड़ दे इब तो ठगणो
अपणे जीवन मँ सीख उतार॥ **मनसा पुरी करै॥**

खड्यो बीच दरबार, मैं बोलू, मनमं ले विश्र्वास
के दूजै सै आश राखणी, राखो प्रभु सै आश
'नन्दू' बाबो ही सरजनहार॥ **मनसा पुरी करै॥**

तर्ज : बदली बरसै क्यूं ना...

सांवरा बेगा आओजी, कन्हैया प्यारा, बेगा आओजी।
टप-टप टपकै नीर, दास नै, क्यूँ तरसाओ जी॥

दीनानाथ थक्यो यो जीवड़ो, धीरज छूट्यो जावै
साँवरा धीरज छूट्यो जावै
निर्बल दास भंवर यो मोटो, बैरी मन घबरावै
नावड़ी गोता खावै जी–2... **टप-टप टपकै...**

सेठ साँवरा थारै आसरै कोसां चाल्यो आयो
साँवरा कोसां चाल्यो आयो
साथ रहो थे सदा दास कै, सोच नहीं घबरायो
सांवरो पार लगावैजी–2 **टप-टप टपकै...**

प्रेम्यां रा आधार सांवरा, थारी सगली माया
साँवरा थारी सगली माया
जैसा भी पण टाबर थारा, क्यूँ म्हानै बिसराया
'नन्दू' हिवड़ो अकुलावै जी–2 **टप-टप टपकै...**

तर्ज : जिनके सिर पर श्याम प्यारे...

सांवरे का नाम बंदे, तूँ कभी मत भूलना
भूला तो, संसार सागर, में पड़ेगा झूलना

कौन तेरा है यहाँ, अंतमुखी हो ध्यान कर
नयनों से पड़दा हटा तूँ, सत्य की पहचान कर
गर समझ आ जावे बातें, मन तुला पर तौलना
भूला तो......॥1॥

एक मोहन, के सिवा यहाँ, कौन करता प्रेम है
प्रेम तो देना ही जानें, लेना कैसा प्रेम है
बनके प्रेमी सांवरे का, प्रेम का रस घोलना
भूला तो......॥2॥

श्यामसुंदर के भजन का, देख ये परिणाम है
चेतना तुझको मिलेगी– चेतना ही सार है
दृष्टि खुल जाएगी तेरी, मंजिलों को देखना
भूला तो......॥3॥

धाम खाटू ही हमारा, आज गोकुल धाम है
जिसके कण कण में नजर, आता मुझे घनश्याम है
'नन्दू' ये नगरी प्रभु की, साथ प्रभु के घुमना
भूला तो......॥4॥

तर्ज : साथीया नही जाना...

सांवरे बिन तुम्हारे, जी ना लगे,
आओ पास हमारे, ये जी ना लगे।

भजन सुनाने, तुझको रिझाने, आया सांवरे,
तुम ना सुनो तो, किसको सुनाऊँ, बोलो सांवरे,
फीके साज हैं सारे–ये जी ना लगे।
सांवरे बिन तुम्हारे...

भक्तों ने मिलकर, दर को सजाया प्यारे सांवरे,
चाँदनी कैसी, बिन चंदा के, बोलो सांवरे,
फीके चाँद सितारे–ये जी ना लगे।
सांवरे बिन तुम्हारे...

कुछ नहीं चाहुँ, तुझसे ओ बाबा, बस आइए,
सामने मेरे, बैठ के बाबा, मुस्कुराईए।
'नन्दू' प्रेम पुकारे - ये जी ना लगे।
सांवरे बिन तुम्हारे...

तर्ज : देख लो आवाज देकर....

सांवरे इतना तो कह दे, किससे जाकर हम कहें।
आपके होते कन्हैया, दास क्यूँ दुखड़े सहें॥

साँबरे मेरी तो केवल, आपसे पहचान है
लेना देना, आपही से, बस यही मुझे ज्ञान है
आपने आंखे चुराई है–2 समझो फिर तो लुट गए
सांवरे...1

जानकर अनजान बैठे, क्यूँ हमारे हाल पर
आप तो ऐसे नहीं थे, रूठे तो किस बात पर
बेबसी ने सुध भुलाई–2 दुखड़ों से बोझिल हुए
सांवरे...2

गर हुई गलती कन्हैया, मांफ कर मेरी खता
जिन्दगी में दुख बहुत हैं, तूँ तो हमको ना सता
बिन महर होगी बसर ना–2 जिन्दगी कैसे जिए
साँवरे...3

गर हँसा हम पर जमाना, कैसे तूँ बच पाएगा
भक्त और भगवान का, इतिहास लिखा जाएगा
'नन्दू' कर कृपा दयालु–2 आकर दाड्डमन थामले
साँवरे...4

सांवरे नाम तुम्हारा, लगे भगतों को प्यारा,
तेरे नाम से मिला सांवरे, दुनियां को उजियारा ॥

गम के बादल छटे कन्हैया, जब भी नाम उचारा,
तेरे नाम ने हर आफत में, हमको दिया सहारा,
तेरे नाम ने निज भगतों को, भव से पार उतारा.....
सांवरे.......॥१॥

तेरे नाम से पानी में भी पत्थर, डूब न पाया,
तेरे नाम से विष का प्याला, अमृत से भर आया,
तेरे नाम ने धर्म बेल को, सींचा और संवारा.....
सांवरे.......॥२॥

नारद की वीणा में देखो, तेरा नाम समाया,
नरसी मीरा सूरदास के, छन्दो बीच लुकाया,
धरती के पावन कण–कण से, गूंजे नाम तुम्हारा.....
सांवरे.....॥३॥

जिस नर ने भी नारायण के, नाम का अलख जगाया,
'नन्दू' उसको नारायण ने, अपना रूप दिखया,
तेरे नाम की लगन लगी जिसे, बन गया तेरा दुलारा......
सांवरे.....॥४॥

सांवरे की लागी लगन जीवन सफल हो गया रे

सांवरे सलौने से अंखियां मिलाई
अंखिया मिलाते ही मस्ती सी छाई
मस्ती में होके मगन – सांवरे का मैं हो गया रे
सांवरे की लागी लगन.....

सांवरा सलौना हुआ प्राण प्यारा
स्वांस स्वांस जपता, गोविन्दा गोपाला
सांवरे के मिल गए भजन, भजनों का मैं हो गया रे
सांवरे की लागी लगन.....

सांवरे का भक्तों से नाता पुराना
भगतों का रक्षक है दुनिया ने माना
'नन्दू' यही है चलन, भगतों का श्याम हो गया रे
सांवरे की लागी लगन.....

तर्ज : मोरियो

''त्रिलोकी का नाथ सूँ मांगा यो वरदान
एक बार मोहे देखले जय जय बाबा श्याम''

❋ ❋ ❋

सांवरिया एक बर नजर भर देखले देखले देखले
तेरी एक नजर पर वारां सारो जीव बावरा
एक बर नजर भर देखले... ...सांवरिया

सांवरिया सोदो नहीं यो महंगे भावको भावको भावको
कोई गली गली गूंजैलो तेरो नाम बावरा...
एक बर नजर भर देखले... ... सांवरिया
सांवरिया दर को भिखारी तेरी प्रीत को प्रीत को प्रीत को
ना तरसाओ, बेगा आओ, जाओ रीझ बावरा
एक बर नजर भर देखले... ... सांवरिया
सांवरिया मालिक कुहाव तीनों लोकको लोकको लोकको
थारो कांई लागै, बणज्या म्हारो काम बावरा
एक बर नजर भर देखले... ... सांवरिया
सांवरिया **'नन्दू'** चाकरियो तेरै बारणै बारणै बारणै
कद सूं पड्यो उड़ीकै करले नैणां चार बावरा
एक बर नजर भर देखले... ... सांवरिया

साँवरिया सरकार बेगा आओ, थारी है दरकार बेगा आओ
कद सूँ करूँ पुकार ना बिसराऔ आओ, थारी है दरकार बेगा आओ

तेरी किरपा से तेरे भजन मिल गए
मेरे जीवन में लाखों, सुमन खिल गए
रहे बगिया ये गुलजार... करके जरा विचार बेगा आओ
साँवरिया सरकार.....(१)

मैंने तेरे ही खातिर उठाया ये कदम
वरना दुनिया में रुसवा हो जाते बाबा तुम
ये है तेरी मेरी बात.....करके जरा विचार बेगा आओ
साँवरिया सरकार.....(२)

तेरी पूजा समझके झुकाई गर्दन
अब बारी तुम्हारी, मिटादे उलझन
करुँ तेरी जय जयकार...करके जरा विचार बेगा आओ
साँवरिया सरकार.....(३)

रोज कहने में मुझको तो आती है शरम
लाज दोनो की गिरवी पड़ी है बाबा सुन
'नन्दू' थाँ पर दारमदार...करके जरा विचार बेगा आओ
साँवरिया सरकार.....(४)

श्री श्याम भजन

तर्ज : जनम–जनम का साथ.....

सांवरिया सरकार है, सबका पालनहारा, है सबका पालनहारा।
हर भक्तों के दिल में बाबा, है विश्वास तुम्हारा॥

खाटूवाले सांवरे, अरजी सुनो हमारी,
भक्तों के विश्वास को, लगे न ठेस बिहारी,
महक उठे बगिया भक्तों की, होगा नाम तुम्हारा।
सांवरिया सरकार... ... ...

अच्छाई का देवता, सहम सहम कर जागे,
सच्चाई को लीलने, झूठ की बदरी भागे,
सच्चाई बदनाम हुई तो, क्या साम्राज्य तुम्हारा।
सांवरिया सरकार... ... ...

ऐसी अगर तेरी दुनियां, कैसे काम चलेगा,
धर्म कर्म के रास्ते, बोलो कौन बढ़ेगा,
विकट समस्या बढ़ती जावै, जल्द करो निस्तारा।
सांवरिया सरकार... ... ...

धर्म–कर्म की रक्षा, करोगे वचन दिया है,
मदद करो सन्तों की, तुमको याद किया है,
'नन्दू' समय आ रहा भगवन, फिर से ले अवतारा।
सांवरिया सरकार... ... ...

श्री श्याम भजन

तर्ज : मनमोहन प्यारा....

सांवरिया म्हारो प्रेम पिछाणो जी।
म्हें प्रेमी हां थारा, म्हानै अपणो जाणो जी॥

सांवरिया म्हें तो निपट अनाड़ी जी,
सांवरिया नहीं जाणा, म्हें थानै रिझाणो जी।

सांवरिया थारी याद सतावै जी,
अब यो जीवन थारै चरणां में बिताणो जी।

सांवरिया थे तो प्रेम्यां का प्रेमी जी,
'नन्दू' पड़सी बाबा प्रेम्यां नै निभाणो जी॥

श्री श्याम भजन

तर्ज : पायलिया हो हो हो...

सांवरिया हो हो हो ऽऽऽ दीवाना दीवाना, दिल है दीवाना तेरा दीवाना
क्या लेना, क्या लेना, हमको दुनियां से प्रभु क्या लेना
सांवरिया नैण मिलाले, गले लगा ले, कुछ बतलाले
हमको पास बुला के बाबा हो

सांवरिया तेरी सूरत दीवाना कर गई
होठों की हंसी तेरी मस्ताना कर गई
नजरों ने देखा तुझको, तूं दिल को भा गया
जाने क्या हुआ मुझको, दिल तुझ पे आ गया
अब तुम ही मोहन, इस दिल को सम्भालो
मैं खो गया तुझमें, मुझे ढुंढ निकालो। **सांवरिया हो....**

छोड़ूँगा नहीं तुमको मना के रहूंगा
तेरी चौखट से मोहन ऐसे न हटूंगा
पहचानो ना कन्हैया, मैं तेरा हूँ तेरा
तेरी उल्फत में बीते–बांकी जीवन मेरा
अपने नयनों से एक बार निहारो
मेरे जीवन को हे नाथ संवारो। **सांवरिया हो....**

तू राजाओं का राजा, दयालु बेमिशाल
भिखारी तेरे दरका, मैं पुछूं एक सवाल
क्या रीत तुम्हारी बदली क्यूँ बदले तेरे ढ़ग
अपने पागल प्रेमी को क्यूँ करते दाता तंग
तेरे दर पे दाता, क्यूँ झोली खाली
कई बार पुकारा, **'नन्दू'** सुध ना ली। **सांवरिया हो....**

श्री श्याम भजन

तर्ज : परदेसियों से न अंखियाँ....

सांवरिया हमें भूल न जाना
सुख में दुख में साथ निभाना
सांवरिया हमें...........

छल बल कल में दुनियां डोले
स्वारथ का रंग चढ़कर बोले
रंग तुम्हारा श्याम, हम पे चढ़ाना
सांवरिया हमें.......

हम तो है माटी के पुतले
पानी की एक बूंद से पिघले
अमृत की एक घूंट पिलाना
सांवरिया हमें........

मन में प्यार की ज्योत जगादे
अपने मिलन की राह दिखादे
नादान से ना आँख चुराना
सांवरिया हमें.......

किशन कन्हैया नटवर नागर
मैली बहुत है मेरी चादर
'नन्दू' लागा दाग छुड़ाना
सांवरिया हमें......

सांवरिया तेरी राधा पुकारे, क्यूँ रूठे मेरे श्याम पियारे
अपनी राधा को कैसे भुलाया, चैन तुमको बता कैसे आया
सांवरिया तेरी......

कान्हाँ तुम्हारी याद ने पागल बना दिया
मुरली का तुमने क्यूँ हमें, कायल बना दिया
सांवरिया तेरी......
कैसे दिखाऊँ सांवरे, दिल अपना चीर के
यमुना का पानी चढ़ गया, नयनों के नीर से
सांवरिया तेरी......
तेरे बिरज का सांवरे, क्या हाल हो गया
बिखरी किरण प्रभात की, या दिन ये ढ़ल गया
सांवरिया तेरी......
पंछी, पखेरू जानवर, सारे उदास हैं
कोयल पपीहा मोर की, आंखों में प्यास है
सांवरिया तेरी......
जाओ कहीं भी साँवरे, हम सा न पाओगे
'नन्दू' हमारे प्यार सा, ना प्यार पाओगे
सांवरिया तेरी......

तर्ज : सांवरिया तेरी राधा....

सांवरिया तुम प्राण हमारे, ये जीवन, प्रभु तेरे हवाले
तेरे दम पे ही बढ़ता जाऊँ, राह जैसी हो, ना घबराऊँ
सांवरिया तुम प्राण........

तेरी कृपा से हौसलें, मजबूत हो गए
कांटे बिछे या फूल हों, बेखौफ हो गए
सांवरिया तुम प्राण.......
होठों पे नाम है तेरा, आंखों में रूप है
रातों को अपनी क्या कहूँ, तेरी ही धूप है
सांवरिया तुम प्राण.......
तेरी लगन ने सांवरे क्या जोश भर दिया
'नन्दू' प्रभु के साथ ने, मदहोश कर दिया
सांवरिया तुम प्राण.......

तर्ज : मेरी नींद उड़ा दी....

सांवरिया प्यारा, भोला भगतां सूं मतना रूसिए
भोला भगतां सूं मतना रूसिए ...सांवरिया प्यारा..

ना म्हें जाणा पूजा वंदन, ना जाणां सेवकाई
ना म्हें जाणा थानै रिझाणो, फिर भी प्रीत लगाई जी
सांवरयिा प्यारा ......
कैं विध थारा लाड लडावां, कैं विध श्याम मनावां
कैं विध थारी करां चाकरी, श्याम समझ नहीं पावांजी
सांवरयिा प्यारा ......
थारै आगे जद आऊँ तो मन पंछीड़ो डोलै
नैणा नीर बहावण लागे, होठ मगर न बोलैजी
सांवरयिा प्यारा ......
थारो साथ सदा ही चाहू, थे ही प्यारा लागो
'नन्दू' इ मायावी–जगत को, घणो ही मोटो पागोणी
सांवरयिा प्यारा ......

॥ गजल॥

सांवरिया मुस्कुरा रहे हैं
भक्तों के दिल को लुभा रहे है॥ सांवरिया मुस्कुरा...

मोर मुकुट गले मोतियन की माला
मणियों की आभा – लुटा रहे है–2॥
सांवरिया मुस्कुरा.....
कजरारी आंखों को तिरछी करके
जादू सा कोई चलां रहे है–2॥
सांवरिया मुस्कुरा.....
अधरों पे वंशी सजा के मोहन
निरस को रसमय बनारहे हैं–2॥
सांवरिया मुस्कुरा.....
चंदा सा चमकै, कान्हा का मुखड़ा
'नन्दू' दीवाना बना रहे हैं–2॥
सांवरिया मुस्कुरा.....

साधो अन्तगति इक सारी
राजा हो या रंक सगर की
एक ही होत सवारी—साधो अन्तगति......

ये मेरा है वो भी मेरा
कह कह कंठ सुखारी
पोढ़ण को गादी और तकिए
दासन दास हजारी – **साधो अन्तगति.......**

गाड़ी मोटर महल दुमहले
कहत कभी ना हमारी
ठेस लगी मटकी गिर फूटी
व्यर्थ गई उपचारी– **साधो अन्तगति......**

ना हीरे का ना माणक का
ना हीं बना सोने का
कोई मोल रह्यो नहीं इनको
काल जो ठोकर मारी– **साधो अन्तगति.......**

नाम हरि का संग निभावै
दौलत नाम की चालै
'नन्दू' भजले श्याम सुमरले
मिट जावै सगरी बिमारी–**साधो अन्तगति..**

तर्ज : दमादाम मस्त कलन्दर....

सुन ले स्वामी...... सुल ले स्वामी
सुन ले स्वामी श्याम मेरे, मैं आया
तेरे द्वार, खेवनहार, तुम्हीं हो बाबा मेरे.....

जीवन भर तेरी करुँ वंदगी, हाथों तेरे सौंपी जिंदगी
जैसी भी–3 रखना चाहो अब रखियो गिरधारी, बनवारी
तुम्ही हो......

पूजा अर्चन कुछ नहीं आवे, किस विध तेरा ध्यान लगावे
मै अज्ञानी–3 मूरख प्राणी स्वीकारो, पूजा मेरी, शरण तेरी
तुम्ही हो......

रूप तेरा आंखों में बसादो, मन मंदिर का दीप जलादो
जब भी आंखे –3 बन्द करुँ, मैं देखू, सुरतिया, सांवरिया
तुम्ही हो......

'नन्दू' श्याम शरण में ले लो, निज सुत जान ज्ञान वर दे दो
सुनले कन्हैया–3 रिश्ता बड़ा है प्यारा तेरा मेरा, मेरा तेरा
तुम्ही हो......

तर्ज : चांद चढ्यो गिगनार....

दोहा : **वंशी बाजी श्याम की, गूंजी ब्रज क मांय।
ऐसो रंग बरस्यो नहीं, तीन लोक क मांय॥**

❂ ❂ ❂

सुन मुरली की तान गोपियां झूमै छैजी झूमै छै॥

मुरली वालो श्याम सलूणो, कदम क नीचै बैठ्यो छै–२
होठां रो रस आज, **मुरलिया चूमै छै जी चूमै छै॥**

मदरी मदरी पवन सुरीली, गोप्यां न ललचावै छै–२
बैरण हो गई लाज, **कालजो फड़कै छै जी फड़कै छै॥**

चन्द्रवदन सुकुमार गोपियां, दही बेचण निकल पड़ी–२
टेढ़ी–मेढ़ी चाल, **डाल ज्यूँ लूमै छै जी लूमै छै॥**

दहीं बेचण जात गुजरिया, दहीं बेचणो भूल गई–२
झनन झनन झनकार पायलिया, **झमकै छै जी झमकै छै॥**

मुरलीवालै श्याम की मुरली, मतवारी जी मतवारी–२
'नन्दू' अनुपम दृश्य, **नयन मं घूमै छै जी घूमै छै॥**

सुन लेना घनश्याम अरज मेरी सुन लेना

मन बगिया का तूँ है माली
रहे न सूनी कोई डाली
मिले फूल की छांव – **अरज मेरी सुन लेना......**(१)
मन मंदिर में करो बसेरा
निभ जाए रिश्ता तेरा मेरा
तूँ नाविक मैं नांव – **अरज मेरी सुन लेना.....**(२)
देख रहे सब तेरे कानी
हम याचक और तूं है दानी
तेरा ऊंचा ठांव – **अरज मेरी सुन लेना.....**(३)
'नन्दू' ध्यावै भजन सुणावै
मौसीजी तुम्हें नितकी सजावे
मचै धूम हर गांव – **अरज मेरी सुन लेना.....**(५)

सुनकर के अरदास भक्त की आते कृष्ण मुरार
प्रभु की महिमा भारी, प्रभु की महिमा भारी

गज के प्राण बचाने खातिर, नंगे पैरों धाया
द्रुपद सुता की लाज बचाने, लम्बा चीर बढ़ाया
मीरा के विश्वास से बन गया, विष भी अमृत धार
प्रभु की महिमा भारी.....॥1॥

हिरणाकश्यप धर्म का दुश्मन, अपना बल दिखलाए
ऐसी छाई भय की बदरी, संत मुनि घबराए
नर से नरसिंह बनके प्रभु ने, किया दुष्ट संहार
प्रभु की महिमा भारी.....॥2॥

नरसी की गाड़ी हाकण को, खाती बनकर आया
नानी बाई का भात भरण को, भाती बने यदुराया
सूरदास के छन्द में छलके, भगवन तेरा प्यार
प्रभु की महिमा भारी.....॥3॥

ऐसा वर दे हम भी तेरे, दीवाने हो जाएं
हर हालत में भगवन तुझको, आसपास ही पाएं
'नन्दू' प्रभु जीवन नैया के, बन जाते पतवार
प्रभु की महिमा भारी.....॥4॥

सुनो ना सुनो ना, श्याम दिल की हमारी सुनो ना
मेरे श्याम सरकार, तूं ही मेरा दिलदार, दिल की हमारी सुनोना
सुनोना ..... सुनोना सुनोना.......

श्याम रूख से तो पड़दा हटाओ, पड़दे से निकलकर आओ
क्यूँ बैठे हो यू लुक छिपकर, अपने जलवों का जादू चलाओ
बनोना बनोना बनोना, श्याम ऐसे तो हमसे बनोना..**सुनोना ..**

श्याम दरबार तेरा निराला, तूँ तो भगतों का है रखवाला
सबकी सुनता है देता दिलासा, कभी लेता किसी से न टाला
हरोना हरोना हरोना, श्याम पीड़ा हमारी हरोना... **सुनोना ...**

आना होगा तुम्हें श्याम सुंदर, हम भी तेरे दीवाने हैं गिरधर
जिद़ छोड़ो तुम्हें क्या हुआ है, क्या सुखा दया का समन्दर
हटोना हटोना हटोना, श्याम वादे से अपने हटोना...**सुनोना....**

मत लेना परीक्षा हमारी, बिन तेरे क्या हस्ती हमारी
साथ ऐसा मुझे दे कन्हैया **'नन्दू'** सज जाए बगिया हमारी
धरोना धरोना धरोना, हाथ सरपर हमारे धरोना..**सुनोना ...**

तर्ज : बाबा सारी लाडली....

सुमरण कर श्री श्याम नाम, थारी ध्वजा उठावां जी
थे कर लीज्यो स्वीकार श्याम म्हें अरज लगांवा जी
अरज लगांवा जी –3 थे कर लीज्यो स्वीकार......

ध्वजा बनाई प्रेम भाव सूं तारा जरी जड़ाया जी
जय जय जय श्री श्याम प्रभु को, पावन नाम लिखाया जी
कांधै सज निशान मगन हो, नाचां गांवा जी...
थे कर लीज्यो ....

रंग रंगीली पीली पीली, ध्वजा निरष हरषाया जी
नरनारी सब सज्यां बसंती, रंग बसंती छाया जी
मस्ती को नहीं पार ध्वजा, गिगनां लहरावांजी
थे कर लीज्यो ....

श्याम दुआरै बजरंगवारो, पहरो खूब लगावै जी
बिना महर बजरंग बली का, सांवरियो नहीं आवैजी
लाल ध्वजा बजरंग रिझावण, सागै लयाया जी
थे कर लीज्यो ....

महर करो भक्तन प्रतिपाली, सालसवाई आवां जी
'नन्दू' सै भगतां संग हिलमिल, थारी ध्वजा उठावांजी
गूँजै जय जयकार श्याम, थारा दरशन पावां जी
थे कर लीज्यो ...

तर्ज : मिलती है जिंदगी....

सूरत सलौनी श्याम की, दिल में उतार लो
अवसर मिला नसीब से –2 जीवन संवार लो.॥टेर॥

माना तुम्हारी नाव, किनारे पे है खड़ी
तुफान का भरोसा क्या, आ जाए किस घड़ी
कैसे करेगा सामना–2 कुछ तो विचार लो....॥टेर॥

जिसके भी दिल में श्याम की सूरत उतर गई
उसको तो छोड़ सांवरा, जाता कहीं नहीं
रहता है आस पास ही–2 जब भी पुकार लो....॥टेर॥

आंखो से अपनी श्याम की आँखों में झाँक लो
चुपचाप बैठ सामने , आँखों से काम लो
बरसेगा प्रेम श्याम की–2 आँखो से जान लो....॥टेर॥

बनकर दीवाना श्याम के दामन को थाम ले
भर देगा खुशियाँ सांवरा जीवन में जान ले
'नन्दू' निराले देव को अब भी निहार लो....॥टेर॥

तर्ज : धमाल

सेवक ल्यायाजी घनश्याम थारो केशरियो निशान
सेवक ल्याया...

रंग बिरंगो ध्वजा हाथ ले, कांध पर लहरावां जी
लहकारो मनड़ नै प्यारो – वारी जावां जी
सेवक...॥ १॥

आगै आगै सैं सूँ आगै, श्याम की झाकी चाल जी
बालक बूढ़ा नर और नारी, पाछै चालै जी
सेवक...॥ २॥

बिना महर बजरंग बली की, सांवरियो ना रीझैजी
लाल ध्वजा बजरंग रिझावण, सागै ल्याया जी
सेवक...॥ ३॥

होली सै पहल्यां ही भगतों, आच्छी होली माची जी
उड़ रह्या रंग गुलाल केशरी और गुलाबी जी
सेवक...॥ ४॥

ऐसो प्यारो बण्यो निजारो, स्वर्गा न शरमावै जी
'नन्दू' श्याम मंडल रै सागै, नाचै गावजी
सेवक...॥ ५॥

तर्ज : थाली भरकर ल्याई...

सेवकिया री आज सांवरा, सुनणी पड़सी जी बात जी
म्हें थारा और थे हो म्हारा, रखद्यो सरपर हाथ जी

लाग्यो है दरबार श्याम को, अन्न धन खूब लुटाओ जी
म्हें तो थारै प्रेम को भूखा, प्रेम सुधा बरसाओ जी
दीन हीन की झोली खाली, भरद्यो दीनानाथ जी
म्हें थारा और.....

करुणा का थे श्याम समन्दर करुणा थोड़ी चावां जी
देवण मं थारो कांई घटसी, म्हें तो मौज उड़ावांजी
देवण मं गर देर करो तो, चलसी जग मं बात जी
म्हें थारा और.....

के तो दे द्यो श्याम चाकरी, अपणै श्री दरबार की
वरना म्हारै सागै चालो, जो मरजी सरकार की
कुछ तो थानै करणो पड़सी, सुणल्यो श्याम सुजान जी
म्हें थारा और.....

जाणूं अवगुण भर्‌या मोकला, गिनबा मं कांई सार जी
जैसो भी अब थारै धोरै, कर देवो उद्धार जी
'नन्दू' आवै शरम ना पूछो, म्हासूँ म्हारी बात जी
म्हें थारा और.....

तर्ज : सांवरिया तेरी राधा....

सोचोना मेरे श्याम पियारे, आओना भक्त तेरे पुकारे
आजा आजा हम तुमको बुलावें, तेरी राहों पे पलकें बिछावें
सोचोना मेरे........

तेरी कृपा मिले हमें, ऐसे तो हम नहीं
दोषों का अपने क्या कहूँ, कोई कमी नहीं
सोचोना मेरे........

सारे गुनाह सांवरे, मंजूर हैं मुझे
आकर सुनादे फैसला, जैसा भी हो मुझे
सोचोना मेरे........

आजाओ प्यारे सांवरे, पल को निहार लूं
दो पल ही तेरे साथ में, हंसकर गुजार लूं
सोचोना मेरे........

कमजोरियों के जोर से, कमजोर हो गया
आँखे खुली हैं अब मेरी, प्रभु भोर हो गया
सोचोना मेरे........

हे देव कर दया जरा, उल्फत से काम ले
'नन्दू' दीवानगी बढ़ी, थोड़ा विचारले
सोचोना मेरे........

तर्ज : मेरी सुनकर करुण आवाज...

सखी देख श्याम श्रृंगार हुई रे मैं दीवानी।
दीवानी हुई दीवानी... मस्तानी हुई मस्तानी–सखी...

सुंदर मुखड़ा चमचम चमकै,
ज्यूँ पूनम का चंदा दमकै,
मैं तो गई कलेजो हार–हुई रे **मैं दीवानी...**

बांकी चितवन अंखियां कारी,
अधरों की लाली मतवारी,
सखी चले वार पे वार–हुई रे **मैं दीवानी...**

हौले हौले मुलक रहा है,
मस्ती का रंग छलक रहा है,
ये कैसी अजब बहार–हुई **रे मैं दीवानी...**

'नन्दू' श्याम प्रेम अति भायो,
नैण झरोखे श्याम समायो,
मैंने पायो चैन करार – हुई रे **मैं दीवानी...**

हम तो फूल श्याम तेरे बाग के,
पीड़ दे या प्यार से संवार दे

मेरी डोर श्याम तेरे हाथ है,
हंसाना और रूलाना तेरे हाथ है
क्यूँ डरे डराए काली रात है,
रोकने से रूकती क्या प्रभात है
मन के साज को तो कोई राग दे– **पीड़ दे या प्यार**.....
जो भी रंग रूप सब तेरा दिया
तुमको न जंचे तो क्यूं रोए जिया
तूं है जिम्मेदार सब तेरा किया
बीज ऐसा विष भरा क्यूँ बो दिया
पीड़ देने में मजा तो पीड़ दे– **पीड़ दे या प्यार**........
क्या मिलेगा श्याम मुझको रौंदकर
पीड़ से कसकते दिल को तोड़कर
मजा तो है, हंसाने में हंसा के देख
खिल उठे चमन चमन खिला के देख
अर्थ हो तो पीड़ भी हजार दे– **पीड़ दे या प्यार**........
जितनी हो चुभन सहूंगा सांवरे
बनाके हार गर गले में डाल ले
तुझे न हो हमें तो प्रीत सांवरे
तुझी से है ये ''नन्दू'' की तो मानले
लगी बुरी जो बात मेरी जाने दे– **पीड़ दे या प्यार**........

हम तो हुए तेरे, कन्हैया प्यारे, हम तो हुए तेरे
तुम भी बनो ना मेरे.......2

मैंने तुमको अपना बनाया
मैं भी क्या तेरे मन भाया– तेरे मन भाया
ऐसे नैणा तुमसे लड़े – कन्हैया प्यारे, हम तो हुए तेरे
हम तो.........

मन भी तेरा तन भी तेरा
मेरा क्या प्रभु सब है तेरा– सब है तेरा
मुझे ऐसे प्यारे लगे– – कन्हैया प्यारे, हम तो हुए तेरे
हम तो.........

हे गिरधर हे नटवर नागर
मैली बहुत है मन की चादर, मन की चादर
रंग चादर का निखरे– कन्हैया प्यारे, हम तो हुए तेरे
हम तो.........

प्रेम हमारा कभी ना रूठे
श्याम सहारा कभी ना छूटे – कभी ना छूटे
'नन्दू' प्रभु अरज करे– कन्हैया प्यारे, हम तो हुए तेरे
हम तो.........

तर्ज : भोजपुरी

दोहा : **जोड़ी थां सूं प्रीत सांवरा, प्रीत को मान निभाज्यो**
म्हें तो थारा बणगया थे, म्हारा बणके दिखादूयो

हम तो बनगए तुम्हारे, तुम हमारे बनो श्याम।
तुम हमारे बनो श्याम, तुम हमारो बनो श्याम॥

आंखों में हो रूप तुम्हारा, नाम रटे दिन रात
आंधी आवै तूफां आवै, या आवै बरसात
देखूं तेरे ही नजारे तुम, हमारे बनो श्याम
हम तो बन गए ....
तुम को सजाऊं तुम को रिझाऊं, तेरा लाड़ लडाऊं
हर मौसम में हर मंजिल पर, साथ तुम्हारा पाऊं
दिल की धड़कनें पुकारें, तुम हमारे बनो श्याम
हम तो बन गए ....
कोई शरत हो तो सांवरिया, आके शरत बता दो
लेकिन हमको सबसे पहले, चरणों से लिपटालो
लागो प्राणों से भी प्यारे तुम, हमारे बनो श्याम
हम तो बन गए ....
हमने तो रिश्ता सांवरिया, तुमसे बना लिया है
तेरी परख के आगे हमने, माथा झुका लिया है
'नन्दू' हारे के सहारे तुम, हमारे बनो श्याम
हम तो बन गए ....

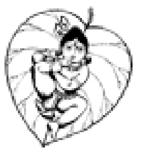

तर्ज : बनकर मांझी जीवन मैया...

हम ऐसे तेरे दीवाने हैं, जिन्हें भाव भक्ति का ज्ञान नहीं।
हमें दरशन तेरा हो कैसे, इन आंखों को पहचान नहीं...

आँखों में घर है माया का, माया ने हमको घेरा है,
सुनते हैं बड़ा तूँ है प्यारा, तेरी जग में कोई मिशाल नहीं।
हमें दरशन... ...
हम जब भी तेरा ध्यान करें, ये ध्यान भटकता रहता है,
मन के घोड़े बेकाबू हैं, हाथों में कोई लगाम नहीं,
हमें दरशन... ...
तेरा नाम बड़ा ही पावन है, कोई मिश्री सी घुल जाती है,
बिन इसको चखे इस जीवन का, यहां हो सकता कल्याण नहीं।
हमें दरशन... ...
मिलने की राह बता बाबा, मिलने को दास तरसता है,
'नन्दू' उस दिल का क्या करना, जिस दिल में तेरा स्थान नहीं।
हमें दरशन... ...

श्री श्याम भजन

तर्ज : तुम्हें और क्या दूँ...

दोहा – चरण कमल को चाकरो, मैं तो दीनदयाल।
किरपा कर अपनाइए, हे गिरधर गोपाल॥

हमें श्याम प्यारे तूं वरदान दे,
चरणों में तेरे उमर कट जाए।

चरणों से हमको नहीं दूर करना,
सदा अपनी सेवा में, हमको तूं रखना,
दिल को हमारे, तूँ ही सुहाए... **चरणों में...**

अवगुण अनेकों हैं, हममें कन्हैया,
अंधेरा बहुत है, दिल में कन्हैया,
बदरी गमों की, प्रभु छंट जाए... **चरणों में...**

जले ज्ञान दीपक, मैं गुणगान गाऊँ,
तुम्हारी नजर को, प्रभु मैं सुहाऊँ,
'नन्दू' हृदय में छवि जगमगाए... **चरणों में...**

श्री श्याम भजन

॥ दीवाना भक्त ॥

हमें दर्शन दो नन्दलाल, दीवाने हम तेरे गोपाल।
हमें कर दे तूं श्याम निहाल, दीवाने हम तेरे गोपाल॥

एक प्रार्थना तुमसे हमारी, सुनले श्याम पियारे
जीते जी ये साथ न छूटे, रहना साथ हमारे
मेरा तू ही है प्रतिपाल, **दीवाने हम....**

भक्त तुम्हारे जग में कन्हैया, कभी न हिम्मत हारे
धीर गई तो कुछ न बचेगा, मोहन बंशी वाले
तेरे सामने मेरा हाल, **दीवाने हम....**

तेरी कृपा बिन भक्तों की नैया, कैसे पार लगेगी
देर हुई तो श्याम सलोने, दुनियां सारी हंसेगी
मेरी बात पे करना ख्याल, **दीवाने हम....**

'नन्दू' ले विश्वास कन्हैया, तुमको आज पुकारे
तूं अपनी मस्ती में डोले, भक्त खड़े तेरे द्वारे
प्रभु आकर लेओ सम्भाल **दीवाने हम...**

श्री श्याम भजन

तर्ज : क्या खूब लगती हो....

हमने ये ठानां है, श्री श्याम रिझाना है,
जैसे हो बाबा से रिश्ता बढ़ाना है,
रिश्ता बढ़ाकर सांवरिये को अपना बनना है
हमने ये.........

जो श्याम प्रभु को प्यारा हाँ प्यारा
उसका जीवन सांवरिये ने संवारा,
समझा जो, मैंने वो, सबको बताना है
सबको बताकर सांवरिये को अपना बनाना है
हमने ये......

श्री श्याम जिस पर राजी हां राजी,
उसने जीती जीवन की हर बाजी,
समझा जो, मैंने वो, सबका बताना है,
सबको बताकर सांवरियो को अपना बनाना है..2
हमने ये......

गर बन गए श्याम हमारे हां हमारे,
फिर बन जाएं बिगड़े कारज सारे,
दिल देके, दिलवर को दिल में बिठाना है,
दिल में बिठाकर 'नन्दू' हमको रम जाना है...3
हमने ये.......

श्री श्याम भजन

हमारा तुम्हारा कन्हैया, रिश्ता नया तो नहीं है
कई जन्मों का है साथ अपना, प्यार अपना पुराना वही है

भूल बैठा था तेरी गली को, भूल बैठा था तेरी वफा को
भूल बैठा था वो प्यारी बातें, भूल बैठा था तेरी अदा को
बनके खुदगर्ज, क्या क्या न भूला,
याद मुझको तो कुछ भी नहीं है... ... **हमारा तुम्हारा**

ये तो तेरी दया का सिला है, याद तुमने मुझे जो किया है
आज एहसास फिर से हुआ है, ये जीवन भी तेरा दिया है
अब ना भूलें, तुम्हें श्याम मेरे,
तेरी रहमत पे मुझको यकीं है... **हमारा तुम्हारा**

आ रहा है मुझे याद सब कुछ, याद करके मजा आ रहा है
सेवा की है हमेशा तुम्हारी, दृश्य आंखो में अब छा रहा है
तेरा सेवक, जो है तुझको प्यारा,
तेरी आँखो से ओझल नहीं है **हमारा तुम्हारा**

भूल जाते हैं हम ही प्रभु को, प्रभु ने तो हमें ना विसारा
इसी आदत के चलते कन्हैया तूँ लगता है भगतों को प्यारा
पकड़े जिसकी कलाई कन्हैया,
'नन्दू' तुफां से बचता वही है.... **हमारा तुम्हारा**

तर्ज : हमें तो लूट लिया........

हमारे श्याम की शक्ति को जिसने जाना है,
देवता श्याम को उसने तो अपना माना है।

श्याम दरबार का अन्दाज कुछ निराला है,
गमों की बात क्या मस्ती का बोलबाला है।
फिजां रंगीन यहाँ–हर कोई मस्ताना है – **देवता** ।।टेर।।

श्याम का नाम तो पापों को दूर करता है
नाम निर्बल को भी बलवान बना देता है
शक्ति मिलती है यहाँ शक्ति का खजाना है– **देवता** ।।टेर।।

हमारे श्याम को श्री कृष्ण से वरदान मिला
रूप घनश्याम का श्री श्याम देव नाम मिला
देव कलिकाल का देवों ने इनको माना है–**देवता** ।।टेर।।

श्याम के नाम से जीवन को संवरते देखा,
दूब प्रभु नाम से पत्थर पे निकलते देखा,
'नन्दू' औरों का नहीं खुद का ये फसाना है– **देवता** ।।टेर।।

तर्ज : मौसम है आशिकाना...

हमको तो आसरा है, ऐ श्याम मुरली वाले।।

कैसे करूँगा मोहन, मैं पार गहरी नदिया,
ना नाव का ठीकाना, ना पास है खेवैया,
कोई नहीं हमारा–मुझे पार जो उतारे.....।। **टेर।।**

मैं तो तेरे भरोसे–आगे को बढ़ता आया,
मुझको गरज है किसकी–मुझ पर तुम्हारा साया,
जब साथ है तुम्हारा–फिर कौन क्या बिगाड़े...।। **टेर।।**

अब क्या करूँ मैं बोलो–तुम भी नजर न आते,
विश्वास है कन्हैया–आओगे क्यूँ सताते,
'नन्दू' सुनो ना मोहन–नैया तेरे हवाले..।। **टेर।।**

तर्ज : जब प्यार किया तो...

हमको दुनियाँ से लेना क्या,
प्यार मिला जब मोहन का तो,
दुनियाँ से आशा करना क्या।। हमको..।।

जब भी जग से आश लगाई,
कुछ न मिला बस ठोकर खाई,
ठोकर खाकर होश में आए,
अब फिर होश गंवाना क्या।। **हमको.....**

हर उलझन से श्याम निकाले,
बिगड़ी मेरी श्याम सुधारे,
जब भी पुकारूँ दौड़ा आए,
फिर दूजे से कहना क्या।। **हमको....**

'नन्दू' साथ मिला मोहन का,
क्या कहना है उस जीवन का,
इसकी दया मस्ती में आए,
अब मस्ती से निकलना क्या।। **हमको....**

।। मैथिली लोकगीत।।

हमको भी एकबर घुमादे, श्याम गोकुल नगरिया
गोकुल नगरिया, श्याम गोकुल नगरिया,
हमको भी एकबर........

हमसे तो कान्हां चला नहीं जावे
सर पे है पाप की गठरिया, श्याम गोकुल नगरिया
हमको भी एकबर........

हमको तो कान्हां नजर नहीं आवे
माया की आगे दिवरिया, श्याम गोकुल नगरिया
हमको भी एकबर........

काम क्रोध, मेरा पीछा न छोड़े
मैली हमारी चदरिया, श्याम गोकुल नगरिया
हमको भी एकबर........

निर्बल की बैंया, कन्हैया जो पकड़ो
बन जाए **'नन्दू'** उमरिया, श्याम गोकुल नगरिया
हमको भी एकबर........

॥ चिरमी ॥

हार गया मैं हार गया–4
मै हार गया घश्याम, मैं तो हार गया–2

देखी तेरी दुनियां सारी, हाथ पकड़ले श्याम बिहारी
मेरी मुश्किल में है जान .... **मैं तो हार गया.......**

श्याम कुटुम्ब है जग से न्यारा
बहती जहाँ सदा प्रेम की धारा
मुझे करने दे स्नान.... **मैं तो हार गया.......**

जोड़ी तुम संग प्रीत बिहारी
रहे सलामत अपनी यारी
मेरी प्रीत का रखना मान.... **मैं तो हार गया.......**

श्याम प्रेम का रंग लगाओ
'नन्दू' ऐसा मस्त बनाओ
करै सदा तेरा गुणगान.... **मैं तो हार गया.......**

हारे का सहारा बाबा श्याम हमारा

हारे के सहारे हैं श्याम खाटू वारे
श्याम खाटू वारे, श्री श्याम लीले वारे

करके भरोसा श्री श्याम को रिझाले
करके विनय प्रेम भगवन का पाले
छट जाएंगें – गमों के आंधयारे
हारे के सहारे हैं.....
वेदों ने पुराणों ने महिमा है गाई
नेति नेति कह कह के करते बड़ाई
मिल जाएंगे– तुफानों में किनारे
हारे के सहारे हैं........
भगतों ने जब भी सांवरिये को पुकारा
सांवरियै ने कष्टों से भक्तों को उबारा
'नन्दू' भगतों के प्रभु जी रखवाारे
हारे के सहारे हैं......

तर्ज : याद में तेरी जाग जाग .....

हाथ में तेरे सोंपकर मोहन, बाग मैं तो नचीत होता हूं
कैसे इस बाग को, सजाना है, तूं सजा दे मैं इतना कहता हूं

होश मुझको तो जब से आया है
हर घड़ी तुमको पास पाया है
तुमने ही जिन्दगी सँवारी है
मेरे सर पर तुम्हारा साया है
आज ये क्या हुआ मैं किस कारण, चैन अपना गवांए फिरता हूं
कैसे इस..........

मुझसे नाचीज को सम्हाला है
हाथ में मस्तियों का प्याला है
मस्त होकर तुम्हारा नाम लिया
आज किसने ये रंग डाला है
देखकर रंग जिन्दगानी का, मैं भरम में लुभाए फिरता हूं
कैसे इस...........

कैसी दुनियां प्रभु रचाई है
माया नगरी अजब बसाई है
देव इन्सान की क्या कूबत है
'नन्दू' सबने ही सुध भुलाई हैं
अपने सेवक को माफ कर स्वामी प्रेम दिल में संजोए फिरता हूं
कैसे इस.........

॥ धमाल ॥

हिबड़ लगाले रै म्हारा सेठ सांवरा सेवक आया रे
हिबड़ लगाले रै...
सेवक आया रै तेरा बालक आया रै–
हिबड़ लगाले रै...

मनड़े मांही धार कै आयो खारी खोटी कहस्यूं रै
श्याम तेरै दरबार मं आकै सै बिसराया रै
हिबड़ लगाले रै...

अन्तर्यामी जग का स्वामी थासूँ के है छानो रै
टाबरिया गल्ती रा पातर पाप कुमाया रै
हिबड़ लगाले रै...

गणिका गिद्ध अजामिल तार्‌या, तार्‌या सजन कसाई रै
बेबस जाण दया बिसराई म्हें ही पराया रै
हिबड़ लगाले रै...

दया सिन्धु बस एक बूँद ही **'नन्दू'** पल्ल दे दे रै
मत हो काठो, क्यां को घाटो, लोग हंसाया रै
हिबड़ लगाले रै...

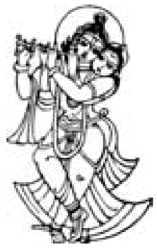

होटों पे तेरा नाम हो, हर पल सुबह या शाम हो।
तेरा प्रभु बस ध्यान हो, तेरा प्रभु बस ध्यान हो॥

मौन हो नैना पुकारे, श्याम प्यारे श्याम प्यारे,
दास पर एहसान होगा, पाऊँ जो दर्शन तुम्हारे..

बस यही अरमान मेरा, मैं बनूँ घनश्याम तेरा,
स्वप्न भी आवे मुझे जो, स्वप्न भी हो श्याम तेरा...

चाहता हूँ मैं कन्हैया, फर्ज सब अपने निभाऊँ,
फर्ज सब पूरे करूँगा, बस तुम्हें नजदीक चाहूँ...

क्या करूँ ये दिल हमारा, तेरे बिन है बेसहारा,
'नन्दू' नैणों से निहारूँ, सांवरे तेरा नजारा...

तर्ज : तेरे प्यार का....

होगा मिलन कब तुमसे कन्हैया
चुप ना रहो कुछ तो बोलो कन्हैया

तेरा मौन मेरे जी को जलाए
इतना ही कहदे कि हम नहीं भाए
कोई जोर तुम पर तो-2 चले ना कन्हैया
होगा मिलन........ ॥ १ ॥
अवगुण अनेको मैं जानता हूँ
काबिल नहीं तेरे, मैं मानता हूँ
मुश्किल है क्या मुझको-2 बदलना कन्हैया
होगा मिलन....... ॥ २ ॥
उल्फत में आंखे नम हैं हमारी
बेकाम कर गई, चाहत तुम्हारी
भाए ना मुझको-दुनियां कन्हैया
होगा मिलन....... ॥ ३ ॥
मैं तो रहा नहीं दुनियां के काबिल
तूँ ही मेरी मंजील तूँ ही मेरा साहिल
'नन्दू' निभानी होगी-2 यारी कन्हैया
होगा मिलन....... ॥ ४ ॥

॥ रसिया ॥
दोहा : आ गयो फागण सुरंगो, बाजै चंग मृदंग।
होली खेलां सांवरा, श्रीराधे जू कै संग॥

होली खेलां कृष्ण मुरार, भगतां को लेल्यो सागो,
भगतां को लेल्यो सागो, मत दूर-दूर थे भागो... होली खेलां..

यो फागण रंग रंगीलो, भगतां न मारै हेलो,
म्हें होगा सगला त्यार, भगतां को लेल्यो सागो।
होली खेलां...
रंग लाल गुलाबी सुन्दर, ज्यांम गमगम गमकै अन्तर,
कई रंगा की भरमार, भगतां को लेल्यो सागो।
होली खेलां...
बरसाणो बाट उड़ीकै, प्यारा कैंको रस्तो डीकै,
तेरा प्रेमी कई हजार, भगतां को लेल्यो सागो।
होली खेलां...
क्यूँ बेठ्या हो लुकछिप कर, राधे डीकै सजधज कर,
इब खोलो बन्द किंवाड़, भगतां को लेल्यो सागो।
होली खेलां...
'नन्दू' मतना घबराओ, थे जमकर रंग उड़ाओ,
मूरली की छेड़ो तान, भगतां को लेल्यो सागो।
होली खेलां...

तर्ज : होठों से छूलो तुम....

हे खाटू वाले श्याम, तेरी लीला न्यारी है।
कोई जान नही पाया, हम तो संसारी है॥

माया में लिपटे हम, माया की आस करे
धन सम्पति वैभव में, हर सुख की खोज करे
पर सच्चा सुख ना मिला, कैसी लाचारी है
हे खाटू........॥१॥
तेरे नाम मे सुख मिलता, सब वेद बखान करे
चंचल मन थिर ना रहे,प्रभु कैसे ध्यान धरे
परमेश्वर महर करो, ये पीडा भारी है
हे खाटू........॥२॥
जाएं तो किधर जाएं, फैला अंधियारा है
सदमार्ग की राह बता, प्रभु तेरा सहारा है
हमें माफ करो कान्हा, हम तो अज्ञानी है
हे खाटू........॥३॥
मिल जाए दया तेरी, कुछ ऐसा जतन कर दो
गुणगान करें तेरा, भजनों में मगन कर दो
'नन्दू' शरणागत ने, ये झोली पसारी है।
हे खाटू........॥४॥

तर्ज : मुझे और जीने को...

हे मधुसूदन बाँके बिहारी, सुन ले हमारी सुन ले हमारी
करूँ क्या मैं अर्पण, चरणों में तेरे, हे गिरधारी हे गिरधारी

तूफानों ने नैया को घेरा, डाल दुःखों ने सब ओर डेरा
आके बचाले, नैया हमारी, हे गिरधारी श्याम बिहारी
करूँ क्या....1

कभी नाम तेरा, जुबाँ पर ना लाया, सुन नाम तेरा दर पे मैं आया
क्षमा अब तो कर दो, हमको मुरारी, बांके बिहारी सुन ले हमारी
करूँ क्या 2

कभी न भूलाऊँ, करूँ तुमसे वादा, दुख दे या सुख दे थोड़ा ज्यादा
भीख दया की, दे दो मुरारी, हे गिरधारी कृष्ण मुरारी
करूँ क्या....3

तुम न सुनो तो, किसको सुनाऊँ, दीन दयालु बोलो मैं कहां जाऊँ
नजर महर की, कर दो बिहारीं, हे गिरधारी श्याम बिहारी
करूँ क्या....4

भक्तों की तुमने, लाज बचाई, खाटू वाले मेरे श्याम कन्हाई
'नन्दू' ने तुमसे, अरज गुजारी, हे गिरधारी सुनले हमारी
करूँ क्या...5

हे प्रभु मेरा ये जीवन अब तुम्हारे हाथ है,
हो गया मैं तो नचीता, जब तूँ मेरे साथ है।

भक्तों के जीवन को तुमने ही संवारा है प्रभु,
उनके दिल में दीप भक्ति का जलाया है प्रभु
हे प्रभु... ...
अवगुणों को दूर कर, मुझे सद्गुणों का दान दे,
अरजी पर तुमसे यही मुझे, चरणों में स्थान दे,
हे प्रभु... ...
एक दिन घर आओ मोहन, दिल में ये अरमान है,
मेरी तेरी, तेरी मेरी, जन्मों की पहचान है,
हे प्रभु... ...
आरजू तुमसे कन्हैया, दिल में इतना प्यार हो,
'नन्दू' बांटू प्रेम इतना, प्रेममय संसार हो,
हे प्रभु... ...

तर्ज : भगवान इस कसूर की...

हे श्याम दर पे आते ही आंखे ये झुक गई
कैसे मिलाऊँ नजरें, करनी डरा रही

मुझको गुमान ही न था, तूँ देखता सभी–2
तस्वीर मेरे कर्मों की, नैणों में छा गई.....
कैसे मिलाऊँ...........
अच्छे तो कर्म खाक, बुरे कर्म ही किए–2
कितना गिनाऊँ आज तो, गिनती भी ना रही...
कैसे मिलाऊँ..........
सत्कर्म पर चलें यही, वरदान दीजिए–2
हाज़िर हैं तेरे सामने, गर्दन भी झुक रही....
कैसे मिलाऊँ..........
हे देव तेरे दर्शनों से, पाप सब कटें–2
'नन्दू' सुनो ये गीता भी, संदेश दे रही....
कैसे मिलाऊँ..........

हे श्याम मन मेरा बन गया आपका
बन गया आपका....बन गया आपका.....हे श्याम
बोलो श्याम श्याम श्याम बोलो श्याम श्याम श्याम..२

अब तुमसे ऐ कन्हैया इतनी ही प्रार्थना है
जी भरके देखूँ तुझको, इस दिल की कामना है........॥ टेर॥

मनको बनाके मन्दिर, करो सांवरे बसेरा
तुम कुल के देव मेरे, बालक मैं श्याम तेरा.....॥ टेर॥

है अपना हे दयालु, रिश्ता बड़ा ही प्यारा
हुआ जीवन धन्य मेरा, मिला प्यार जो तुम्हारा......॥ टेर॥

करते हैं उनका वन्दन, जिनपे कृपा तुम्हारी
मिले उनका प्रेम 'नन्दू' हम प्रेम के पूजारी......॥ टेर॥

तर्ज : खाटू वाले आ भी जाओ ....

है भरा भण्डार तेरा, फिर कभी किस बात की।
तीन लोकों के हो स्वामी, लो खबर इस दास की॥

मैंने देखा तुमने मोहन, कितनों की झोली भरी
जानते हो फिर भी कितनी झोलियाँ खाली पड़ी
क्या यही इन्साफ तेरा, लाज रख इन्साफ की॥ 1 ॥

दूसरे से क्या कहूं शिकवा गिला तुमसे ही है
लुट रही जो लाज मेरी, लाज वो तेरी भी है
हो गया छलनी जिगर, घनश्याम सौगन्ध आपकी॥ 2 ॥

दोष इतना है हमारा, भोलेपन का साथ है
बेरूखी तेरी सही है, फिर भी तेरे पास हैं
छोड़ जाऊँ पर कहाँ मैं, कैसी उल्फत आपकी॥ 3 ॥

खोल दे मुट्ठी कन्हैया, अब सहा जाता नहीं
लेके खाली झोली मोहन, अब रहा जाता नहीं
'नन्दू' गर अब भी ना समझे, प्रीत फिर किस काम की॥ 4॥

तर्ज : दिन सार गुजारा तेरे...

हर मास मैं खाटू आऊँ, प्रभु तेरा दरशन पाऊँ–2
सांवरा, सांवरा, सांवरा, सांवरा–2 हर मास

मंदिर में, सांवरिया, मैं थानै भजन सुणाऊं
सुन ले मन मोहन मेरे, मैं नाचूं तुझे रिझाऊँ
पग घुंघरू मेरे बंध जाए, मन सुध–बुध तो बिसराए
सांवरा, सांवरा......

मेरे प्यारे, ओ दुलारे, मैंने जोड़ा तुम संग नाता
कैसे तुम से बात करुँ प्रभु, बस इतना समझा जा
आओ आओ मेरे श्याम कन्हैया, तू मांझी मैं तेरी नैया
सांवरा, सांवरा......

तेरी प्यारी, छवि म्यारी, मैं देख देख मुस्काऊँ
आंखों में बंद कर लूँ जब, चाहूँ दरशन पाऊँ
'नन्दू' जावै बलिहारी मेरे गिरधर, थे रखद्यो हाथ तो सरपर
सांवरा, सांवरा......

तर्ज : हमने ये ठाना है...

श्रृंगार तेरा बाबा, कहो किसने सजाया है,
कैसा लगे, कह दूँ तुझे, जो मन में आया है,
आज तेरे भक्तों ने तुझे, बनड़ा सा बनाया है॥ टेर॥

पेचा फूलों का सोहे – हां सोहे,
रोली चावल तिलक बने मन मोहे,
काजल को नैणों में, क्या खूब लगाया है॥ **आज तेरे...॥**

हीरों से जड़ा तेरा बागा – हां बागा,
चमचम चमके दूर अन्धेरा भागा,
हाथों की मेहन्दी ने, क्या रंग खिलाया है॥ **आज तेरे...॥**

मुश्कान तुम्हारी प्यारी – हां प्यारी,
मेरे दिल में प्रेम जगाने वाली,
किस्मत से ये शुभ दिन, भक्तों ने पाया है॥ **आज तेरे...॥**

मँ नर हूँ तूँ नारायण – हाँ नारायण,
जब तक स्वाँसे करूँ तेरा गुणगायन,
'नन्दू' मेरा दिल तुझ पर साँवरिया आया है॥ **आज तेरे...॥**